राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 05 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-226 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अवेयरनेस, एक्सेस और एक्शन के मंत्र के साथ हर नागरिक पा सकता है अपना पैसा वापस : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

गांधीनगर/नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि अगर तीन 'ए' अवेयरनेस, एक्सेस और एक्शन को पूरा किया जाए तो सेफ कस्टडी में पड़े धन को उचित दस्तावेजों के साथ नागरिकों द्वारा सही तरीके से क्लेम किया जा सकता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुजरात के गांधीनगर में वित्तीय क्षेत्र में अनक्लेम्ड एसेट्स के कुशल एंव त्वरित निपटान को सुगम बनाने के लिए 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' अभियान का शुभारंभ किया। यह अक्टूबर से दिसंबर तक चलने वाला तीन महीने का एक राष्ट्रव्यापी जागरुकता अभियान है। कार्यक्रम में अपने संबोधन में वित्त मंत्री ने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करती हूं कि आप इस अभियान के एम्बेसडर बनें, अपने परिचित लोगों से संपर्क करें। उनसे पूछें कि क्या उनके पास किसी अनक्लेम्ड फाइनेंशियल एसेट्स का कोई कागज है। अगर उन्हें ऐसे पेपर्स की जानकारी लोगों से मिलती है तो दूसरों को पोर्टल पर रजिस्टर करने के लिए मार्गदर्शन करें ताकि लोग अपनी संपत्ति का दावा कर सकें।

वित्त मंत्री ने जोर देते हुए कहा, 'इस पहल से अनगिनत नागरिकों को लाभ होने की उम्मीद है। मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूं कि आप अपने समुदायों और आस-पास के इलाकों में इस अभियान के बारे में प्रचार करें।' वित्त मंत्री ने पीएम मोदी का आभार जताते हुए कहा कि मैं उनकी आभारी हूं कि उन्होंने मुझे एक बार यह सलाह दी कि मैं लोगों के बीच जाऊं और उन्हें उनके हक को पाने के लिए उनका आह्वान करूं।

उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी की सलाह पर अमल करते हुए, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि गुजरात ने इस अभियान को शुरू करने में अग्रणी भूमिका निभाई है।' वित्त मंत्री ने कहा, 'वित्त मंत्रालय, नियामकों, राज्य सरकारों और गांवों के बैंकों सहित सभी के सम्मिलित प्रयासों से अगर पूरी श्रृंखला सक्रिय हो जाए, तो हर कोई अपना पैसा वापस पा सकेगा। यह न केवल हमारा आश्वासन है, बल्कि हमारा कर्तव्य भी है।'

निर्मला सीतारमण ऑफिस की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया है कि अनक्लेम्ड फाइनेंशियल एसेट्स अक्सर जागरुकता और आउडेटेड अकाउंट डिटेल्स की वजह से अनक्लेम्ड रह जाते हैं, जिसमें इंश्योरेंस पॉलिसी क्लेम, बैंक डिपॉजिट, डिविडेंट, शेयर और म्यूचुअल फंड की आय शामिल है।

इस अभियान के दौरान, नागरिकों को उनके अनक्लेम्ड एसेट्स, अपडेट रिकॉर्ड, क्लेम प्रक्रिया को पूरा करने के तरीकों को लेकर तत्काल मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही, डिजिटल टूल्स और स्टेप-बाय-स्टेप प्रदर्शन भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

बुलडोजर से नहीं, कानून के शासन से चलता है देश

मॉरीशस (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था बुलडोजर के शासन से नहीं, बल्कि कानून के शासन से संचालित होती है। पिछले 10 दिनों के अंदर उन्होंने दूसरी बार बुलडोजर ऐक्शन की निंदा की है। हालांकि, इस बार उन्होंने सात समंदर पार जाकर यानी विदेश जाकर यह बयान दिया है। मॉरीशस में 'सबसे बड़े लोकतंत्र में कानून का शासन' विषय पर सर मौरिस रॉल्ट स्मृति व्याख्यान 2025 का उद्घाटन करते हुए उन्होंने 'बुलडोजर न्याय' की निंदा करने वाले अपने ही फैसले का उल्लेख किया। प्रख्यात न्यायविद सर मौरिस रॉल्ट 1978 से 1982 तक मॉरीशस के प्रधान न्यायाधीश थे। कानून के शासन का सिद्धांत और भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा उसकी व्यापक व्याख्या पर प्रकाश डालते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा, इस फैसले ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय न्याय व्यवस्था

बुलडोजर के शासन से नहीं, बल्कि कानून के शासन से संचालित होती है। जस्टिस गवई इन दिनों मॉरीशस की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। 'बुलडोजर न्याय' मामले में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि कथित अपराधों को लेकर अभियुक्तों के घरों को

10 दिनों में यह दूसरी बार बोले सीजेआई बीआर गवई

गिराना कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करता है, कानून के शासन का उल्लंघन करता है और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आश्रय के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि यह भी माना गया कि कार्यपालिका अन्य भूमिका नहीं निभा सकती। इस मौके पर मॉरीशस के राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल, प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम और प्रधान न्यायाधीश रेहाना मुंगली गुलबुल आदि भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में, प्रधान न्यायाधीश ने 1973 के केशवानंद भारती मामला सहित उच्चतम न्यायालय के विभिन्न ऐतिहासिक फैसलों का उल्लेख किया। सीजेआई गवई ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में, ऐतिहासिक अन्याय के निवारण के लिए कानून बनाए गए हैं और हाशिए पर पड़े समुदायों ने अपने अधिकारों का दावा करने के लिए अक्सर इनका और कानून के शासन की भाषा का सहारा लिया है। उन्होंने कहा, ''राजनीतिक क्षेत्र में, कानून का शासन सुशासन और सामाजिक प्रगति के मानक के रूप में कार्य करता है, जो कुशासन और अराजकता के बिल्कुल विपरीत है...। महात्मा गांधी और बीआर आंबेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए, न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि उनकी दूरदर्शिता ने प्रदर्शित किया कि भारत में कानून का शासन चलता है।

एस-400 की नई खेप खरीदने की तैयारी में भारत

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को पस्त कर जीता था भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के हमलों को विफल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम पर सेना का भरोसा बढ़ गया है। इस मामले से परिचित लोगों के मुताबिक भारत इन एयर डिफेंस सिस्टम की नई खेप खरीदने पर विचार कर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि राष्ट्रपति पुतिन की दिसंबर में होने वाली भारत यात्रा के दौरान इस डिफेंस सिस्टम की खरीद पर बातचीत हो सकती है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि भारत एस-400 के एडवांस वर्जन

एस-500 को खरीदने पर भी विचार कर सकता है। वायुसेना चीफ एयर मार्शल एपी सिंह ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी हालांकि उन्होंने सीधे-सीधे कोई जवाब नहीं दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत नई एस-400 डिवाइस खरीदने के बारे में सोच रहा है। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जाहिर है, इससे हमें अच्छा परिणाम मिला है। इसलिए, हमें ऐसे और सिस्टम्स की जरूरत है। आप कितनी खरीद सकते हैं, इसकी कोई सीमा नहीं है। फिर से मैं इस बारे में चुप रहूंगा कि योजना क्या है, क्या हम और अधिक खरीदना चाहते हैं या नहीं।

10वें बच्चे की मौत, 'जहरीला' कफ सिरप एमपी में भी बैन

डिप्टी सीएम ने पहले कहा-सिरप से मौतें नहीं, अब बोले-जहां दिखे जब्त करो

भोपाल (एजेंसी)। छिंदवाड़ा जिले में किडनी फेल होने से एक और बच्चे की मौत हो गई है। शनिवार की दोपहर नागपुर में इलाज के दौरान बड़कुई निवासी डेढ़ साल की योगिता ठाकरे की मौत हो गई। जिले में पिछले एक महीने के अंदर अब तक किडनी फेलियर से जान गंवाने वाले मासूमों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। मासूम योगिता ठाकरे पिछले 10 दिनों से नागपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती थी। उसे पेशाब न होने की समस्या (किडनी फेलियर) के चलते पहले परासिया अस्पताल लाया गया था, जहां से हालत गंभीर होने पर नागपुर रेफर किया गया था। इससे पहले तमिलनाडु के बाद मध्यप्रदेश में भी कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रो-डीएस कफ सिरप को बैन कर दिया गया है। इन्हीं सिरप की वजह से छिंदवाड़ा में 9 बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हुई है। सीएम मोहन यादव ने एक्स पर पोस्ट कर ये जानकारी दी है। स्थानीय डॉक्टर की सलाह पर बच्चों को कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रो-डीएस कफ सिरप देने की बात सामने आई थी। बच्चों की मौत के बाद जांच के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं। अब एसआईटी बनाकर राज्य स्तर पर जांच की जाएगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने एक्स पर लिखा- छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ सिरप के कारण हुई बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुखद है।

सिर्फछिंदवाड़ा में ही सप्लाई होती थी कोल्ड्रिफ सिरप

खुलासा हुआ है कि जो कोल्ड्रिफ सिरप सप्लाई की गई थी, उन्हें जबलपुर से भेजा गया था। हालात की गंभीरता को देखते हुए जबलपुर कलेक्टर ने पहले ही सिरप पर बैन लगा दिया था। छिंदवाड़ा में श्री सन फार्मा कंपनी के मैनेजर की डिमांड पर महाकौशल डीलर कटारिया फार्मास्यूटिकल से इस कफ सिरप की सप्लाई होती थी। खास बात यह है कि कोल्ड्रिफ सिरप के लिए पूरे महाकौशल में सिर्फ छिंदवाड़ा से ही डिमांड आती थी। महाकौशल डीलर कटारिया फार्मास्यूटिकल ने सितंबर में चेन्नई की कंपनी श्री सन फार्मा से कोल्ड्रिफ सिरप की 660 बोतल मंगवाई थी। इनमें से 594 छिंदवाड़ा की तीन अलग-अलग मेडिकल शॉप आयुष फार्मा, न्यू अपना फार्मा और जैन मेडिकल एवं जनरल स्टोर में सप्लाई की गई। बाकी 66 सिरप डीलर ने अपने ऑफिस में रख ली थी। ड्रग कंट्रोलर के निर्देश पर जबलपुर ड्रग इंस्पेक्टर शरद कुमार जैन ने शुक्रवार को नौदरा ब्रिज स्थित कटारिया फार्मास्यूटिकल ऑफिस में जांच की है। शरद कुमार जैन ने बताया कि श्री सन फार्मा कंपनी की डीलरशिप महाकौशल में सिर्फ एक ही है। इसी कंपनी की सिरप कोल्ड्रिफ मध्यप्रदेश में कहीं भी सप्लाई नहीं होती। छिंदवाड़ा में भी यह सिरप सिर्फ 3 मेडिकल शॉप पर ही भेजी जाती थी।

अब बात करने को कुछ नहीं बचा, हथियार डालने ही होंगे

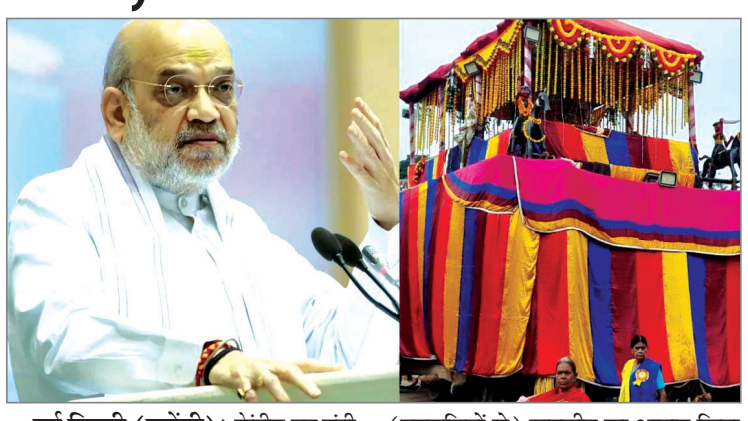

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहे। राज्य के बस्तर में अमित शाह ने मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने बस्तर ज़िले के मुख्यालय जगदलपुर में बस्तर दशहरा लोकोत्सव और स्वदेशी मेला को संबोधित भी किया, जहां से उन्होंने नक्सलियों को आखिरी चेतावनी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने स्पष्ट किया कि नक्सलियों को अब हथियार डालने ही होंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खतरे को अलविदा कहने के लिए 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि नक्सलियों के साथ बातचीत की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की लाभदायक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति को स्वीकार करने के बाद उन्हें (नक्सली) हथियार डालने होंगे। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने (नक्सलियों से) बातचीत का आह्वान किया है। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर दूं कि छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार, दोनों ही बस्तर और सभी नक्सल प्रभावित इलाकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब बात करने की क्या बात है। एक आकर्षक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति लागू की गई है। आगे आइए और अपने हथियार डाल दीजिए। अमित शाह ने चेतावनी देते हुए कहा कि हथियारों के बल पर बस्तर की शांति भंग करने वालों को सुरक्षा बल करारा जवाब देंगे। शाह ने का कि दिल्ली में कुछ लोग वर्षों से यह गलत सूचना फैलाते रहे हैं कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई के लिए हुआ था। लेकिन मैं अपने आदिवासी भाइयों को बताने आया हूं कि पूरा बस्तर विकास से वंचित रहा है। इसका मूल कारण नक्सलवाद है। बस्तर में आयोजित इस कार्यक्रम को शाह ने संबोधित किया।

बस्तर में अमित शाह की नक्सलियों को अंतिम चेतावनी

हमास गाजा पर कब्जा छोड़ेगा, बंधक रिहा होंगे

ट्रम्प की धमकी के बाद सीजफायर पर हुआ राजी

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की धमकी के 6 घंटे बाद हमास गाजा में सीजफायर को तैयार हो गया है। हमास ने शुक्रवार रात ऐलान किया कि वह ट्रम्प के प्लान में बताए गए फॉर्मूले के मुताबिक सभी जिंदा और मुर्दा बंदियों को रिहा करने को तैयार है। साथ ही गाजा का प्रशासन छोड़ने को भी तैयार है। हमास ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प की इस हफ्ते पेश की गई 20 पॉइंट की पीस डील के कुछ हिस्सों पर बातचीत जरूरी है। अल जजीरा

की रिपोर्ट के मुताबिक हमास की तरफ से जो जवाब आया है, उसमें हथियार छोड़ने का जिक्र नहीं किया गया है। हमास के ऐलान के बाद ट्रम्प ने इजराइल को तुरंत गाजा में हमले करना बंद करने को कहा है। वहीं, इजराइल ने कहा कि वह ट्रम्प के गाजा प्लान पर काम करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के ऑफिस ने बयान जारी कर रहा कि इजराइल ट्रम्प के प्लान के पहले चरण को लागू करने के लिए तैयार है। इसके लिए वे ट्रम्प और उनकी टीम के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि जंग खत्म हो। इसके साथ ही इजराइल गाजा में हमला रोकने को तैयार हो गया है। सरकार ने सेना को गाजा पर कब्जे की कार्रवाई रोकने का आदेश दिया है।

विपक्षी दलों से संबंध बेहतर करने का प्रयास.... उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन कर सकते मुलाकात

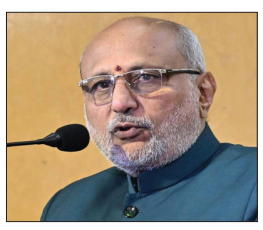

नई दिल्ली। नए निर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जल्द ही विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात करने की तैयारी में हैं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का यह कदम विपक्षी नेताओं के साथ संबंधों को ठीक करने के प्रयास के रुप में देखा जा रहा है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण करने के एक महीने के भीतर 7 अक्टूबर को विभिन्न राजनीतिक दलों के उच्च सदन में कुछ नेताओं के साथ बैठक करने वाले है। राधाकृष्णन ने 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी। सूत्रों ने बताया कि वे सात अक्टूबर की शाम को कुछ विपक्षी नेताओं से मिलने और उसके बाद के दिनों में और भी नेताओं से मुलाकात कर सकते है। खास बात है कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के राज्यसभा के सभापति रहते विपक्ष के साथ रिश्ते ठीक नहीं थे। इसके बाद नए उपसभापति की विपक्ष के साथ पहली मीटिंग पर सबकी नजर रहेगी। यह कदम संसद के शीतकालीन सत्र से कुछ दिन पहले उठाया गया है, इसके अगले महीने शुरू होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि सदन के नेताओं से मुलाकात का यह प्रयास विपक्षी नेताओं के साथ बेहतर संबंध बनने का प्रयास है। हालांकि, राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद राधाकृष्णन से 12 सितंबर को कुछ विपक्षी नेताओं ने मुलाकात कर बधाई दी थी। लेकिन आगामी बैठक को विभिन्न दलों के नेताओं के साथ उनकी पहली औपचारिक बैठक माना जा रहा है।

● आरजेडी राज में बिहार की हालत सड़े पेड़ सी थी

पीएम बोले-ना स्कूल खुलते थे, ना ही बच्चे आते थे

मोदी ने कहा-बिहार से लाखों लोगों ने पलायन किया

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के युवाओं से वर्चुअली संवाद किया। इस दौरान उन्होंने संवाद कार्यक्रम में जुड़े युवाओं को जंगलराज की याद दिलाई। उन्होंने कहा, ढाई दशक पहले की शिक्षा व्यवस्था और बुरे हालात का आपको अंदाजा नहीं है। पहले बिहार में शिक्षा व्यवस्था तबाह थी। ना स्कूल खुलते थे ना बच्चे आते थे। बच्चों को बिहार छोड़कर जाना पड़ा। यहीं से पलायन की असली शुरुआत हुई। जिस पेड़ की जड़ों में कीड़ा लग जाता है, उसे फिर खड़े करने में बहुत मेहनत लगती है। आरजेडी के राज में बिहार में वही कीड़े लग गए थे। नीतिश जी के साथ मिलकर हम बिहार को फिर पटरी पर लाए। उन्होंने कहा, आरजेडी और कांग्रेस के शासन की तुलना में बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत विकास हुआ है।

- **जंगलराज की याद दिलाई, तेजस्वी पर निशाना-** बिहार में पहले शिक्षा व्यवस्था चौपट थी। स्कूल बंद पड़े रहते थे। लोग पलायन करते थे। नीतिश जी के साथ मिलकर हमने बिहार में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया। कर्पूरी ठाकुर को जननायक सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वालों ने नहीं बनाया। उन्होंने पूरा जीवन समाज की भलाई के लिए लगाया था। आजकल लोग जननायक की भी चोरी करने में लोग लगे हैं। आपको सतर्क रहना है, कर्पूरी ठाकुर को जनता द्वारा दिया गया सम्मान कोई चोरी न कर ले।
- **नौजवान और महिलाएं हमारी प्राथमिकता-** आज बिहार के युवाओं के सशक्तिकरण का यह मेगा कार्यक्रम है। यह दिखाता है कि एनडीए सरकार बिहार के नौजवानों को, महिलाओं को कितनी प्राथमिकता दे रही है। भारत ज्ञान और कौशल का देश है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लद्दाख के लोगों की आबाज और सोनम बांगचुक

(लेखक – कुमार कृष्णन)

महात्मा गांधी ने कहा था 'जहां संवाद ही नहीं है, वहां गलतफहमियां और कटुताएं पनपेंगी ही। गांधी का रास्ता सिखाता है कि कटुता मिटाने का उपाय केवल खुले मन और साफ हृदय से संवाद है।' लोकशाही दमन से नहीं संवाद से चलता है। पिछले पांच साल से लद्दाख की जनता छठी अनुसूची और राज्य के दर्जे की मांग चुपचाप तरीके से कर रही थी। उसे सरकार ने अनसुनी कर दिया। लेह से दिल्ली तक दौरा किया। आंदोलन की जगह गांधीवादी रास्ता चुना। मगर युवाओं को लगा कि वादे खोखले हैं। वह इसे बर्दाश्त नहीं कर सके। लेह हिंसा में कोई बाहरी हाथ नहीं है। यह जनता की आवाज है। अब भी वक्त है कि इस सवाल पर हठधर्मिता का रास्ता छोड़कर संवाद का रास्ता अख्तियार करें। सरकार लगातार दमन का रास्ता अख्तियार किए हुए। सोनम बांगचुक की गिरफ्तारी इसी का नतीजा है। गांधी जयंती के मौके पर पूरे देश में सोनम बांगचुक के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हुए। दूसरी ओर पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने इस गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए कोर्ट में ये याचिका दाखिल की है।इस याचिका में केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय को पक्षकार बनाया गया है। हिंसा भड़काने के आरोपों को खारिज करते हुए शिक्षा सुधारक और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो का कहना है कि लद्दाख में छठी अनुसूची को लागू करने से बचने और किसी को बलि का बकरा बनाने के लिए उनके पति के खिलाफ एक मनगढ़ंत कहानी गढ़ी गई है। उन्होंने लद्दाख के पुलिस महानिदेशक के बयानों की कड़ी निंदा की है।। उन्होंने कहा कि न केवल मैं, बल्कि लद्दाख में हर कोई इन आरोपों की निंदा करता है।

गीतांजलि ने लद्दाख पुलिस के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि सोनम वांगचुक का संपर्क एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट से था। उनकी ये प्रतिक्रिया उस समय आई, जब लद्दाख के पुलिस महानिदेशक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस ने एक पाकिस्तानी मूल के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो सोनम वांगचुक के संपर्क में था।

गीतांजलि ने कहा कि उन्होंने और वांगचुक ने संयुक्त राष्ट्र और एक पाकिस्तानी मीडिया संस्थान की ओर से आयोजित एक जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भाग लिया था।यह सम्मेलन ग्लेशियरों पर था जो बांग्लादेश से अफगानिस्तान तक कई देशों को पानी प्रदान करते हैं। अगर कोई ऐसे सम्मेलन में हिस्सा लेता है तो क्या वह आईएसआई एजेंट बन जाएगा, इसका सबूत क्या है? वे कह रहे हैं कि कोई पाकिस्तानी यहां आया था तो गृह मंत्रालय को इसका जवाब देना चाहिए। सोनम ने हिंसा को बढ़ने से रोकने के लिए अपना उपवास समाप्त कर दिया और झड़पों की निंदा की।यहां तक कि शोक संतप्त परिवारों ने भी कहा कि यह वांगचुक की गलती नहीं थी।खुफिया ब्यूरो ने उनकी संस्था के एफसीआरए को ब्लैकमेलिंग के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया।

उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक भावुक पत्र लिखकर अपने पति की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग की है। पत्र में एंगमो ने आरोप लगाया है कि राज्य और उसकी विभिन्न एजेंसियाँ उन्हें और उनके परिवार को पूरी तरह से सता रही हैं, साथ ही उनकी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि न तो उनको मिलने और न ही फोन पर बात करने दी जा रही है। उन्होंने राष्ट्रपति की आदिवासी पृष्ठभूमि का हवाला देते हुए कहा कि एक आदिवासी होने के नाते आप लद्दाख के लोगों की भावनाओं को समझेंगी।

गौरतलब है सोनम वांगचुक को 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला हुआ है। वहीं साल में गीतांजलि को 2022 में भारत सरकार ने 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया है।

इधर जन आन्दोलनों का राष्ट्रीय समन्वय (एन.ए.पी.एम) ने केंद्र सरकार द्वारा, लद्दाख के जायज मांगों की लंबे समय से उपेक्षा के चलते, हाल ही में हुई हिंसा और चार लोगों की मृत्यु बेहद दुखन्द करार दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम जैसे दमनकारी कानून के तहत पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। संगठन ने वांगचुक की तत्काल रिहाई, एन एस ए आरोपों को रद्द करने और हाल की हिंसा की घटनाओं में युवाओं की हत्या की न्यायिक जांच की मांग की है। साथ यह भी मांग करते हैं कि केंद्र सरकार तुरंत लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा और संविधान के तहत छठी अनुसूची संरक्षण की मांग पर ठोस संवाद शुरू करे, साथ ही स्थानीय रोज़गार के अवसर और सभी स्तरों पर अधिक लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व प्रदान करे।

लद्दाखी लोगो ने देश की संप्रभुता की रक्षा में सर्वोत्तम प्रयास किए हैं, साथ ही सेना के साथ मिलकर दूर-दराज़ और कठिन सीमावर्ती क्षेत्रों में अपना पूरा योगदान दिया है।अगर उन्हें संवैधानिक सुरक्षा नहीं मिली, तो लद्दाख़ के लोग और वहां का पर्यावरण दोनों ही गंभीर खतरे में पड़ सकते हैं। लद्दाख़ को संविधान के छठे अनुसूची के तहत सुरक्षा और पूर्ण राज्य का दर्जा देना केवल न्यायसंगत मांग नहीं है, बल्कि तात्कालिक भी है। लद्दाख़ के अधिकांश लोग अनुसूचित जनजातियों से हैं और छठी अनुसूची की सुरक्षा के लिए हकदार भी। ये कदम लद्दाख़ के लोगों को उनकी ज़मीन, संसाधनों और प्रशासन पर अधिक नियंत्रण देने में मदद करेंगे, जिससे इन नाजुक इलाक़ों में सतत विकास को स्थायी, पर्यावरण के अनुकूल और स्थानीय जरूरतों के अनुसार बनाया जा सके। इसके ज़रूरत इसलिए भी हैं क्योंकि केंद्र सरकार लद्दाख में बड़ी परियोजनाओं और नीतिगत बदलावों पर सक्रियता से विचार कर रहा है और बड़े पैमाने पर भूमि और संसाधनों को कॉर्पोरेट संस्थाओं को सौंप रहा है, जैसा कि अन्य हिमालयी राज्यों में हो रहा है।

लद्दाख की रक्षा केवल उसके लोगों के भविष्य को सुरक्षित करने के बारे में नहीं है, बल्कि दुनिया के सबसे संवेदनशील हिमालई पारिस्थितिक तंत्रों में से एक, वैश्विक पर्यावरणीय महत्व का क्षेत्र और सीमा तनाव को देखते हुए भारत सरकार के लिए अत्यंत राजनीतिक महत्व का क्षेत्र, को संरक्षित करने के बारे में है। लद्दाख के लोगों की बात सुनकर और उनका सम्मान करके, हमारी सरकार लोकतांत्रिक समावेशिता, पर्यावरणीय संरक्षण और न्याय का एक ऐतिहासिक उदाहरण स्थापित कर सकती है, साथ ही स्थानीय जानकारी और सहयोग के ज़रिए हमारी सीमाओं को सुरक्षित कर सकती है। भारत के लिए भी यह सबसे तार्किक और आवश्यक बात होगी, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को ग्लेशियरों के संरक्षण का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया हैं।

लद्दाख के जन आंदोलन के दौर में, सोनम वांगचुक लद्दाखी आकांक्षाओं की एक प्रभावशाली आवाज़ बनकर उभरे हैं। राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा, लद्दाखी लोक सेवा आयोग के माध्यम से रोज़गार के अधिक अवसर तथा लेह और कारगिल से एक सांसद, आदि उनकी माँगें संवैधानिक औचित्य पर आधारित हैं। लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस और सोनम वांगचुक लगातार पूरी तरह से शांतिपूर्ण आंदोलन की अपील करते आए है और इस आंदोलन का नेतृत्व किया है। इसी भावना से कुछ सप्ताह पहले वांगचुक और कुछ अन्य लद्दाखियों ने उपवास शुरू किया था।लेह में हुई अचानक हिंसा के लिए सोनम वांगचुक को दोषी ठहराकर और उन्हें झूठे आरोपों में गिरफ़्तार करके, केंद्र सरकार अनावश्यक रूप से तनावपूर्ण स्थिति को बढ़ा रही है। जबकि सोनम ने स्पष्ट रूप से हिंसा की निंदा की और किसी भी प्रकार की हिंसा को स्वीकार करने से इनकार करते हुए, 15वें दिन अपना अनशन वापस ले लिया। केंद्र सरकार सोनम को निशाना बनाकर और उनका उत्पीड़न करके क्षेत्र में और अधिक गुस्सा और अलगाव को बढ़ावा दे रही है। शांतिपूर्ण जन आंदोलनों की आवाजों को दबाने और उन पर प्रहार करने से अक्सर अनियंत्रित हिंसा होती है और केंद्र सरकार इस समस्या को भड़काने के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। छठी अनुसूची और पूर्ण राज्य के दर्जे की जायज मांग को राष्ट्र-विरोधी करार दिया जा रहा है, जो अन्यायपूर्ण है । केंद्र सरकार को पुलिस की गोलियों से हुई मौतों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, जो एक लोकतांत्रिक संघर्ष के प्रति क्रूर सरकारी प्रतिक्रिया का परिणाम है। जन आन्दोलनों का राष्ट्रीय समन्वय ने स्पष्ट किया है कि लद्दाखी लोगों के संवैधानिक अधिकारों के लिए, छठी अनुसूची संरक्षण और राज्य दर्जे की मांग में उनके साथ हैं — ताकि उनकी भूमि, संस्कृति और नाज़ुक हिमालय सुरक्षित रहे।

लद्दाखी लोगो ने देश की संप्रभुता की रक्षा में सर्वोत्तम प्रयास किए हैं, साथ ही सेना के साथ मिलकर दूर-दराज़ और कठिन सीमावर्ती क्षेत्रों में अपना पूरा योगदान दिया है।अगर उन्हें संवैधानिक सुरक्षा नहीं मिली, तो लद्दाख़ के लोग और वहां का पर्यावरण दोनों ही गंभीर खतरे में पड़ सकते हैं। लद्दाख़ को संविधान के छठे अनुसूची के तहत सुरक्षा और पूर्ण राज्य का दर्जा देना केवल न्यायसंगत मांग नहीं है, बल्कि तात्कालिक भी है। लद्दाख़ के अधिकांश लोग अनुसूचित जनजातियों से हैं और छठी अनुसूची की सुरक्षा के लिए हकदार भी।

संपादकीय

मौत का सिरप

कैसी विडंबना है कि जीवन रक्षा के लिये दी जाने वाली दवा मौत का कारण बन जाए। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निर्माता कंपनियों की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। जाहिर है रसायनों की घातकता की मात्रा और गुणवत्ता में कोई खोट इस तरह के हादसों का सबब बना होगा। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन-स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांत्वना नहीं है। उन्हें सही मायनों में सांत्वना तभी मिलेगी जब आपराधिक लापरवाही करने वालों को दंडित किया जाएगा। विडंबना यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के परिजन आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आंसू बहा रहे हैं। हकीकत यह है कि ऐसी मौतों की जिम्मेदारी तय करने में लगातार देरी होती रहती है। ऐसे हादसों को या तो कमतर दर्शाया जाता है या फिर पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि विगत में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी ही शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था। भारत की फार्मा कंपनियों के द्वारा तैयार सिरप से गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत का लिंक पाए जाने के बाद भारतीय दवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। निस्संदेह, ऐसे गैर-जिम्मेदार तरीके से तैयार दवाइयों के चलते भारत की 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में हासिल प्रतिष्ठा को ही नुकसान पहुंचा है। हमारे नियामक तंत्र को और कितने बच्चों के मरने का इंतजार है.. जरूरी है इससे पहले गुणवत्ता नियंत्रण सिर्फ कागज पर नहीं व्यवहार में लागू करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने दवाइयों के गुणवत्ता मानकों को तय करने के लिए सख्त तरीके जीएमपी अनुपालन हेतु समय-समय पर निरीक्षणों के लिये कदम उठाए हैं। लेकिन प्रवर्तन के स्तर पर अभी भी तमाम खामियां बरकरार हैं।

भारत को पीओके की पुकार- पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्ति

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

धर्म के नाम पर पाकिस्तान की स्थापना हुई थी, यही कारण है कि आजतक पाकिस्तान राजनीतिक रूप से स्थायी नहीं है, कोई न कोई बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम होता ही रहता हैद्य बांग्लादेश, अफ़गानिस्तान के अलगाव के बाद पीओके यानि पाक अधिकृत कश्मीर में हमेशा पाकिस्तान से अलग होने की आवाजें बुलन्द होती रहती हैंद्य अभी कुछ महीनों पहले अपनी आवाज़ दुनिया तक पहुंचाने के लिए वहाँ के विद्रोही लोगों ने ट्रेन हाईजैक कर लिया था, खासी मुठभेड़ के बाद पाकिस्तान की सेना ने वहाँ की विरोधी आवाजों का दमन कर दिया थाद्य पाकिस्तानी सेना ने अब तब पीओके पर दमनपूर्वक जबरन क़ब्ज़ा कर रखा है, अन्यथा वहाँ कई बार भारत में विलय एवं जनमत संग्रह की मांगें उठती रहती हैंद्य अब देखना यह है कि पाकिस्तानी सेना कब तक इन आवाजों को दबा पाती हैद्य अभी हाल फ़िलहाल पीओके में विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से बिजली संकट, महंगे बिल, इंटरनेट ब्लैकआउट, मानवाधिकार उल्लंघन, और आर्थिक उपेक्षा के खिलाफ शुरू हुआ हैद्य जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी इन प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही हैद्य पाकिस्तानी नेतृत्व पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जनता की बुनियादी जरूरतों को भी पूरा करने में फेल साबित हो रहा हैद्य पाक अधिकृत कश्मीर में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी सेना का अत्याचार अब संयुक्त राष्ट्र तक तक पहुंच गया हैद्य वैसे भी पीओके पर ज़ुल्म इतना बढ़ गया है कि वहाँ की चीखें पूरी दुनिया में सुनाई देने लगी हैं, वो तो भारत सरकार की नीतियों की विफलता है अन्यथा अब तक पीओके भारत का हिस्सा बन चुका होताद्य देश ज़मीन के टुकड़ों पर नहीं बनता बल्कि देश में रहने वाले लोगों के कारण देश बनता है, जहां पाकिस्तान मानवीय मूल्यों को ताक पर रखकर ज़बरदस्ती लोगों पर राज करना चाहता है, हालांकि अब बड़ा कठिन सा प्रतीत हो रहा हैद्य पीओके के राजनीति दलों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से मांग की है कि ह तुरंत यहां दखल दे और यहां की जनता को पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से बचाएद्य 29 सितंबर से चल रहे नागरिकों के प्रदर्शन में अब तक 12 लोग मारे जा चुके हैंद्य एक जान की भी कीमत होती है, पाकिस्तान की सेना को इसका खामियाज़ा ज़रूर भुगतना होगाद्य

स्विटजरलैंड के जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद 60वें सेशन के दौरान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की पार्टी (यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी) ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान को कश्मीरियों को मारने, हमारी जमीन और हमारे संसाधनों पर कब्जा करने, हमारे लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं हैद्य पीओके के स्थानीय नेता इस मुद्दे को पूरी दुनिया के सामने लेकर आए हैं, हालांकि उन्होंने कितना शोषण, दमन झेला है, इसकी कल्पना करना भी असहनीय पीड़ा को सहन करने जैसा हैद्य यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी के प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने जिनेवा में कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर में कई लोग गायब हो गए हैं, परंतु हाल ही में कश्मीर में जो हो रहा है, उससे लोग अपनी जान को लेकर चिंतित हैं क्योंकि 29 सितंबर से अब तक 12 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी हैद्य नासिर ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान यहां के लोगों पर क्रूर बल प्रयोग कर रहा है और प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलियां चला रहा है जिससे लोग मारे जा रहे हैंद्य सैकड़ों लोग जेल में हैं और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा हैद्य उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में इस अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के जमावड़े के माध्यम से हम आग्रह करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र उन कश्मीरियों की जान बचाने के लिए हस्तक्षेप करे जो पाकिस्तानी कब्जे में रह रहे हैंद्य कश्मीरियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने इस्लामाबाद प्रेस क्लब में इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस के एक्शन की निंदा कीद्य पीओके पर पाक सेना को कश्मीरियों को मारने, जमीन और संसाधनों पर कब्जा करने और उन लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं हैद्य निरन्तर विरोधी आवाजें गूँज रही हैंद्य 2 अक्टूबर 2025 पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी के सदस्य इस्लामाबाद प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे इस दौरान पुलिस प्रेस क्लब में घुस गई, पुलिस ने प्रदर्शन बल पूर्वक कुचलने के लिए क्लब के अंदर घुसकर पत्रकारों और स्टाफ पर लाठीचार्ज किया, कैफेटेरिया को तोड़ा-फोड़ा, कैमरे और मोबाइल फोन तोड़े और कुछ लोगों को गिरफ्तार कियाद्य वीडियो फुटेज में पुलिस को पत्रकारों को घसीटते और पीटते हुए दिखाया गया हैद्य यह घटना पीओके में चल रहे पांचवें दिन के विरोध प्रदर्शनों के बीच हुई, जहां बाजार बंद हैं और इंटरनेट कटा हुआ हैद्य इस मुद्दे पर भारत को दख़ल देते हुए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देना चाहिए कि पीओके पर ज़ुल्म खत्म हो, भारत सरकार को बांग्लादेश की तरह इसका हल निकालना होगा, पूरी दुनिया पीओके की स्थिति से वाकिफ़ है, हालांकि यूएनओ कुछ नहीं कर पाएगा, अब तो भारत को ही इसका हल निकालना होगाद्य पीओके की जनता भारत के साथ विलय चाहती हैद्य पाकिस्तान को सबक सिखाने का भरपूर मौका है, जो भारत को गंवाना नहीं चाहिएद्य

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदशर्न किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आसन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदशर्क है।

अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूंढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

विचार मंथन

2 घन्टे की सलाह के 11 करोड़, फीस या ब्लैकमेलिंग ?

(लेखक- सनत जैन)

- नवयुग कंस्ट्रक्शन और प्रशांत किशोर पर उठे सवाल

बिहार की राजनीति में भ्रष्टाचार कोई नई कहानी नहीं है। बस फर्क यह है कि इस बार की कहानी में प्रशांत किशोर उर्फ पीके केंद्र में हैं। कभी देश के सबसे ताकतवर नेताओं और सियासी पार्टी की चुनावी रणनीति बनाने वाले पीके अब खुद सवालों के घेरे में आ गए हैं। भारतीय राजनीति में प्रशांत किशोर एक ऐसे शख्स हैं जो 2014 में नरेंद्र मोदी को कुर्सी में बिठाने का दावा करते हैं। उसके बाद उन्होंने कई अन्य राजनीतिक दलों को सलाह देने और उन्हें चुनाव जिताने का दावा किया। एक समय था जब प्रशांत किशोर की एक अच्छे रणनीतिकार के रूप में पहचान होती थी। तब प्रशांत किशोर मीडिया के खिलाफ खडो हो जाते थे, लेकिन अब प्रशांत किशोर खुद मीडिया के निशाने में आ गए हैं। वजह है उनका स्वीकारोक्ति वाला बयान, जिसमे उन्होंने नवयुग कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा उन्हें महज़ दो घंटे की सलाह के लिए 11 करोड़ रुपये दिए जाने की बात कही है। सवाल उठना लाजमी है, यह रकम वास्तव में 卐सलाह शुल्क卐 थी या फिर चुनावी चंदे के नाम पर एक छिपा हुआ सौदा था। इलेक्टोरल बॉड के खुलासे के बाद इस तरह की धारणा आमजन के बीच बनने लगी है। नवयुग कंस्ट्रक्शन कोई साधारण कंपनी नहीं है। इसके खाते में पुल गिरने और सुरंग ध्वस्त होने जैसी कई गंभीर घटनाएँ दर्ज हैं। बिहार में बख्तियारपुर-ताजपुर गंगा महासेतु का हिस्सा ढह जाना, इसका ताज़ा उदाहरण है। इसके अलावा इस कंपनी को कई राज्यों में बड़े-बड़े ठेके राजनीतिक कृपा से मिले हुए हैं और इस कंपनी ने करोड़ों रुपए का चंदा भी दिया है। इसी कंपनी ने भाजपा को 55 करोड़ रुपये का चंदा इलेक्टोरल बॉड के माध्यम से दे चुकी है। यानी सवाल केवल पीके की फीस का नहीं, बल्कि राजनीति, ठेकेदारी और चंदे की उस तिकड़ी का है, जिसने लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ों मैं मट्ठा डालने का काम किया है। विडंबना यह है कि पीके खुद को भ्रष्टाचार विरोधी योद्धा के रूप में पेश कर रहे हैं। रोज़ाना किसी न किसी नेता की फाइल खोलते हैं। उनके ऊपर करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के सप्रमाण आरोप लगाते हैं। एनडीए गठबंधन और नीतीश की सरकार में शामिल मंत्रियों के खिलाफ उन्होंने मोर्चा खोल दिया है। प्रशांत किशोर भ्रष्ट नेताओं को जनता की अदालत में कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। अब प्रशांत किशोर उर्फ पीके की पारदर्शिता पर उंगली उठी है, तो जवाब में धमकी और आक्रामकता दिखा रहे हैं। यह दोहरा चेहरा उनकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहा है। सवाल यह है, कि क्या प्रशांत किशोर वाकई जन स्वराज की लड़ाई लड़ रहे हैं, या फिर भ्रष्टाचार के नाम पर नए किस्म की ब्लैकमेलिंग की राजनीति कर रहे हैं? यदि उनके पास सचमुच मे नेताओं की भ्रष्टाचार संबंधी फाइलें और प्रमाण हैं तो उन्हें वह एक साथ सार्वजनिक क्यों नहीं कर देते? हर रोज़ एक-एक खुलासा कर क्या माहौल बनाना चाहते हैं। क्या वह जनता के हित में इस तरह के खुलासे कर रहे हैं, या सिर्फ राजनीतिक दबाव बनाने का खेल खेल रहे हैं? बिहार का युवा महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहा है। नीतीश सरकार भी अपनी छवि को लेकर निशाने पर है। ऐसी स्थिति में बिहार की राजनीति में जो रिक्तता बनी है उसको भरने के लिए प्रशांत किशोर इस तरह की राजनीति कर अपनी छवि को चमकाना चाहते हैं। वे युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं। बिहार की जनता अब जागरूक है। वह समझती है, भ्रष्टाचार के खिलाफ असली जंग वही है, जो पारदर्शी, निष्पक्ष और बिना किसी सौदेबाजी के लड़ी जाए। अगर पीके इस मकड़जाल से खुद को अलग नहीं कर पाए तो 卐बिहार के लड़के की ताकत卐 का नारा उनकी 卐विश्वसनीयता की हार卐 का कारण बन सकता है। पिछले एक दशक में प्रशांत किशोर ने हर राजनीतिक दल के घाट-घाट का पानी पी लिया है। वह राजनीति में किस तरह की गंदगी है इसको भी जान गए हैं। जनता को किस तरह से सपने दिखाकर आकर्षित किया जा सकता है, इसका उन्हें बहुत अच्छा ज्ञान है। लेकिन समय के साथ सारी चीज बदल जाती हैं। पिछले 10 साल में गंगा जी में बहुत सारा पानी बह गया है। नेताओं की विश्वसनीयता और उनके द्वारा कही गई बातों को नई पीढ़ी ने भी अच्छी तरह से जान लिया है। 2 घंटे की फीस के तौर पर जब कोई 11 करोड रुपए प्रशांत किशोर को दे सकता है, उस पर सहज रूप से विश्वास कर पाना कठिन है। हां यह बात अवश्य है, प्रशांत किशोर ने जिस तरह से नीतीश कुमार की सरकार में शामिल मंत्रियों का कच्चा चिट्ठा खोलना शुरू किया है उसके बारे में यही कहा जा सकता है कि एनडीए गठबंधन बिहार के विधानसभा चुनाव में दूबरे और दो असाड़ की मुसीबत से जूझ रहा है। उसमें प्रशांत किशोर भी एनडीए गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों की परेशानी को बढ़ा रहे हैं। इसका फायदा उन्हें मिलेगा या नहीं कहना मुश्किल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सितंबर में चांदी ने सोने को पीछे छोड़ा, 19.4 फीसदी की जोरदार तेजी

मुंबई सितंबर महीने में चांदी ने निवेशकों को खुश करते हुए 19.4 प्रतिशत की तेजी दिखाई है, जो कि सोने की 13.56 प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक है। महीने की शुरुआत में चांदी की कीमत 1,26,000 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो 30 सितंबर को बढ़कर 1,50,500 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। यह पिछले कई वर्षों में चांदी की सबसे तेज मासिक बढ़ोतरी मानी जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को चांदी 1,50,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जबकि मंगलवार को यह अपने उच्चतम स्तर 1,50,500 रुपए पर पहुंची। हालांकि चांदी ने बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन सोने की कीमतों में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। एक सितंबर को सोने की कीमत 1,05,670 रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो महीने के अंत तक बढ़कर 1,20,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। यह 13.56 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत है। चांदी की इस तेजी के पीछे मजबूत औद्योगिक मांग और वैश्विक आपूर्ति में कमी प्रमुख कारण हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि चांदी का औद्योगिक उपयोग कुल मांग का लगभग 60-70 प्रतिशत है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों में चांदी की बढ़ती मांग ने कीमतों को ऊपर धकेला है। 2024 में केवल सौर पैनल के लिए 23.2 करोड़ औंस चांदी की जरूरत होगी। एक जिंस बाजार विशेषज्ञ ने बताया कि लगातार सात वर्षों से बाजार आपूर्ति की कमी का सामना कर रहा है, जो कीमतों में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि चांदी की दोहरी भूमिका निवेश और औद्योगिक धातु ने इसे सोने से बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है।

लेंसकार्ट के आईपीओ को सेबी ने दी मंजूरी, नवंबर में कंपनी की हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली चश्मा बनाने वाली कंपनी लेंसकार्ट के आईपीओ को सेबी ने मंजूरी दे दी है। अब कंपनी आईपीओ के लिए इश्यू प्राइस और लॉन्चिंग की तारीख का ऐलान करेगी। ऐसा अनुमान है कि नवंबर में कंपनी की लिस्टिंग हो सकती है। बता दें कुल आईपीओ का आकार 7,500-8,000 करोड़ रुपए यानी 850-900 मिलियन डॉलर होने की उम्मीद है। यह इसे टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के बाद इस साल के सबसे बड़े इश्यू में से एक बना देगा। लेंसकार्ट के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के मुताबिक आईपीओ में 2,150 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू शामिल होगा। इसके साथ ही मौजूदा निवेशकों और प्रमोटरों द्वारा 13.2 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश भी होगी। ओएफएस में सॉफ्टबैंक समर्थित एसवीएफ-2, अल्फा वेव वेंचर्स, टेमासेक के सहयोगी, प्रेमजी इन्वेस्ट और केदारा कैपिटल समेत प्रमुख शेयरधारक भागीदारी करेंगे। लेंसकार्ट के प्रमोटर्स में पीयूष बंसल 2 करोड़ शेयर बेचेंगे जबकि नेहा बंसल, अमित चौधरी और सुमीत कपाही अपनी-अपनी छोटी हिस्सेदारी बेचेंगे। वर्तमान में प्रमोटरों के पास कंपनी की सामूहिक हिस्सेदारी 19.96 फीसदी है जबकि 80.04 फीसदी हिस्सेदारी संस्थागत और अन्य शेयरधारकों के पास है। लेंसकार्ट ने वित्त वर्ष 2025 में 297.3 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया जबकि वित्त वर्ष 2024 में उसे 10.2 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। पिछले दो सालों में 33 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के साथ, राजस्व भी साल-दर-साल 23 फीसदी बढ़कर 6,652.5 करोड़ रुपए हो गया। आईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कंपनी द्वारा संचालित और कंपनी के मालिकाना हक वाले नए स्टोर शुरू करने लीज, किराया और लाइसेंस समझौते के भुगतान के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही टेक्नोलॉजी, क्लाउड संबंधी इंफ्रा, ब्रांड के विपणन और कारोबार के प्रमोशन के लिए किया जाएगा।

पीयूष गोयल ने सिंगापुर यात्रा में निवेश को बढ़ावा देने पर जोर दिया

नई दिल्ली वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सिंगापुर की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान कंपनी प्रमुखों और नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। गोयल ने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि और निवेश आधारित सुधारों को रेखांकित करते हुए विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, वित्तीय सेवाओं तथा हरित अर्थव्यवस्था में अवसरों का उल्लेख किया। उन्होंने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से व्यापार, नवाचार और डिजिटल कनेक्टिविटी में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। इसके अलावा, उप प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ औद्योगिक और व्यापार सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया। यह बैठक दोनों देशों के बीच सतत विकास और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

भारतीय दवा कंपनियों को अमेरिका में टैरिफ से राहत मिलने की संभावना

मुंबई

भारतीय दवा कंपनियां अमेरिका की दिग्गज कंपनी फाइजर के नक्शेकदम पर चलकर अमेरिका में दवाओं पर लगने वाले टैरिफ में कटौती के लिए समझौता कर सकती हैं। अमेरिकी सरकार पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा रही है, जिससे भारतीय कंपनियों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। विश्लेषकों के अनुसार यदि भारतीय कंपनियां अमेरिका में मेडिकेड और मेडिकेयर कार्यक्रमों के तहत दवाओं की कीमतें कम करने पर सहमत होती हैं, तो वे टैरिफ से बच सकती हैं। फाइजर ने अमेरिका में मेडिकेड प्रोग्राम में अपनी दवाओं के दाम अन्य विकसित देशों के स्तर पर कम करने का समझौता किया है, जिससे उसे टैरिफ में राहत मिली है। नुवामा के विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय कंपनी सन फार्मास्युटिकल अगर इसी तरह कोई समझौता करती है या अमेरिका में विनिर्माण शुरू करती है, तो वह भी टैरिफ से बच सकती है। सन फार्मास्युटिकल की प्रमुख दवा इलुम्या का अधिकांश राजस्व मेडिकेयर कार्यक्रम से आता है, जो 65 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले लोगों के लिए है। मेडिकेयर संघीय स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम है जो बुजुर्गों और कुछ गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को कवर करता है, जबकि मेडिकेड संयुक्त राज्य और राज्य सरकारों का कार्यक्रम है जो कम आय वाले परिवारों को

स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करता है। मेडिकेयर की पात्रता उम्र और विकलांगता पर आधारित होती है, जबकि मेडिकेड आय और परिवार की स्थिति पर निर्भर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सभी नई दवाओं के लिए 'सर्वाधिक पसंदीदा देश' (एमएफएन) के तहत दाम तय करने की नीति लागू की है, जिससे अमेरिकी बाजार में दवाओं की कीमतें कम हो सकती हैं।

चीन से आयातित सोलर सेल पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश

नई दिल्ली वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने चीन से आयात होने वाले सोलर सेल पर तीन साल के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। जांच में पाया गया कि ये सोलर सेल भारत में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर आयात हो रहे हैं, जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हो रहे हैं। डीजीटीआर ने सोलर सेल के आयात पर 23 से 30 फीसदी तक का शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह शुल्क माल के सीआईएफ मूल्य के आधार पर लगेगा। हालांकि, इस मामले में अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय ही लेगा। इस कदम से घरेलू सोलर उद्योग को संरक्षण मिलेगा और सस्ते आयात से बचाव होगा। इससे भारत के सौर ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आईएचएच हेल्थकेयर को 7 साल बाद सेबी से मिली मंजूरी

फोर टिस में हिस्सेदारी खरीद का रास्ता साफ

मुंबई मलेशियाई हेल्थकेयर दिग्गज आईएचएस हेल्थकेयर को आखिरकार भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से वह अनुमति मिल गई है, जिसका इंतजार कंपनी को सात साल से था। अब आईएचएच अपनी सब्सिडियरी नार्थन टीके वेंचर के जरिए फोरटिस हेल्थकेयर और मालार हो स्पिटल में 26-26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए अनिवार्य ओपन ऑफर ला सकेगी। यह डील 2018 में 170 रुपए प्रे ति शेयर की दर से 3,349 करोड़ रुपए की मानी गई थी, लेकिन आज फोरे टिस का शेयर 980.10 पर पहुंच गया है। नई वैल्यूएशन के अनुसार, एनटीके अब 235.29 मिलियन शेयर लगभग 23,068 करोड़ रुपए में खरीदेगी। इसके साथ ही कंपनी को अतिरिक्त 197 मिलियन शेयरों के लिए करीब 19,316 करोड़ रुपए का ओपन ऑफर भी लाना होगा। मालार अस्पताल के लिए लगभग 32 करोड़ रुपए का ऑफर आएगा। आईएचएच ने नवंबर 2018 में फोरे टिस में 31 फीसदी हिस्सेदारी ली थी, लेकिन तत्कालीन प्रमोटर सिंह ब्रदर्स पर डेलची सेन्यको के कोर्ट केस के कारण ओपन ऑफर अटक गया। डेलची ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका लगाई थी, जिससे सेबी की अनुमति रुक गई। अब सेबी की मंजूरी के बाद आईएचएच ने डेलची पर टोक्यो कोर्ट में 11,800 करोड़ के हर्जाने का दावा किया है। आईएचएच का आरोप है कि डेलची ने जानबूझकर डील रोककर उन्हें भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाया। इस डील के पूरा होने के बाद आईएचएच भारत के हेल्थकेयर सेक्टर में अपनी स्थिति और मज़बूत कर सकेगी।

सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर तेजी रही

आरबीआई की नीतिगत घोषणाओं ने शेयर बाजार को दिया सहारा

मुंबई

अक्टूबर 2025 के पहले सप्ताह में घरेलू शेयर बाजारों ने मजबूती दिखाई और बीते सप्ताह की गिरावट से उबरते हुए साप्ताहिक आधार पर बढ़त दर्ज की। बाजार की चाल पर इस सप्ताह घरेलू कारकों का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा में जीडीपी ग्रोथ अनुमान को बढ़ाना और महंगाई अनुमान में कमी करना निवेशकों के लिए भरोसा बढ़ाने वाला कदम साबित हुआ। इसके अलावा देशभर में मानसून की अच्छी स्थिति, घरेलू संस्थागत निवेशकों की सतत खरीदारी और वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में बेहतर कॉरपोरेट नतीजों की उम्मीद ने बाजार को बल दिया।इस सप्ताह केवल चार कारोबारी सत्र रहे, क्योंकि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और विजयादशमी की छुट्टी थी। सोमवार और मंगलवार को बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सेंसेक्स क्रमशः 61 और 97 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी मामूली कमजोरी दर्ज की गई। बुधवार को बाजार ने दमदार वापसी की। सेंसेक्स 715 अंक उछलकर 80,983 पर और निफ्टी 225 अंकों की तेजी के साथ 24,836 पर बंद हुआ।

शुक्रवार को भी बाजार में मजबूती बनी रही। सेंसेक्स 226 अंकों की तेजी के साथ 81,207 और निफ्टी 57 अंक चढ़कर 24,894 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत में सेंसेक्स में कुल मिलाकर 843 अंकों और निफ्टी में 259 अंकों की बढ़त रही। हालांकि विदेशी निवेशकों की बिकवाली अब भी चिंता का विषय है, लेकिन घरेलू संकेतकों की मजबूती निकट भविष्य में बाजार को स्थिरता दे सकती है। निवेशकों को आने वाले सप्ताह में कॉरपोरेट परिणामों और वैश्विक रुझानों पर नजर रखनी चाहिए।

आईपीओ बाजार में जोरदार तेजी, 2023-24 में रिकॉर्ड डीआरएचपी दाखिल

185 से अधिक कंपनियों ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किए

मुंबई

भारतीय कंपनियों में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की होड़ तेज हो गई है। साल 2023 और 2024 के पहले 9 महीनों में 185 से ज्यादा कंपनियों ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास डीआरएचपी (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) दाखिल किया है। यह आंकड़ा 1997 के बाद सबसे अधिक है और संकेत देता है कि 2026 आईपीओ बाजार के लिए ऐतिहासिक साल हो सकता है। प्राइमरी मार्केट में तेजी के पीछे कई अहम कारण हैं। घरेलू बचत से हर साल 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश हो रहा है, जिससे कंपनियां नए शेयर जारी करने को उत्साहित हैं। इसके अलावा, बाजार अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहरों की कंपनियां भी लिस्टिंग की ओर अग्रसर हैं। आईपीओ प्रदर्शन में मजबूती, प्रतिस्पर्धी कंपनियों की नेटवर्थ में वृद्धि और अनुकूल वैल्यूएशन ने भी कंपनियों को पूंजी बाजार की ओर आकर्षित किया है। परंपरागत रूप से बैंक फंडिंग पर निर्भर कंपनियां अब इक्विटी के ज़रिए पूंजी जुटाने के पक्ष में हैं। अब तक 2024 में कंपनियां आईपीओ के जरिए 1.1 लाख करोड़ से ज्यादा रुपए जुटा चुकी हैं और साल के अंत तक 1.6 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड पार हो सकता है। वर्तमान में दाखिल डीआरएचपी के जरिए कंपनियों का लक्ष्य 2.72 लाख करोड़ रुपए जुटाने का है। टाटा कैपिटल, फोनपे, लेंसकार्ट, फिजिक्सवाला और पाइन लैब्स जैसे बड़े नामों की आगामी लिस्टिंग पर निवेशकों की नजर टिकी है।

ईसीबी अब बाजार-निर्धारित ब्याज दरों पर जुटाई जा सकेगी

मुंबई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) नियमों को सरल और व्यावहारिक बनाने के लिए नया मसौदा जारी किया है। इसमें कंपनियों को विदेशी बाजार से पूंजी जुटाने में अधिक लचीलापन देने की बात कही गई है। मसौदे के अनुसार अब ईसीबी की उधारी सीमा कर्ज लेने वाली इकाई की वित्तीय क्षमता से जोड़ी जाएगी। कंपनियां या तो 1 अरब डॉलर या अपनी अंतिम लेखा परीक्षा में दर्शाए गए नेटवर्थ के 300 प्रतिशत तक उधारी ले सकेंगी, इनमें से जो भी अधिक हो। आरबीआई ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि ईसीबी अब बाजार-निर्धारित ब्याज दरों पर जुटाई जा सकेगी। अभी तक ब्याज दरों पर एक कुल लागत सीमा तय थी, जो अब हटा दी गई है। इससे बेहतर रेटिंग वाली कंपनियों के लिए विदेशी ऋण लेना सस्ता हो सकता है। इसके अतिरिक्त, मसौदे में ईसीबी के अंतिम उपयोग प्रतिबंधों और न्यूनतम औसत परिपक्वता अवधि को सरल बनाने का प्रस्ताव है। यह परिवर्तन लंबे समय से कंपनियों द्वारा उठाई जा रही चिंताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। आरबीआई ने यह भी कहा है कि वह पात्र ऋणदाता और कर्जदारों का दायरा बढ़ाने के साथ-साथ रिपोर्टिंग आवश्यकताओं को भी आसान बनाएगा, जिससे अनुपालन प्रक्रिया सुगम हो सकेगी।

आरबीआई ने दो फाइनेंस कंपनियों पर लगाया लाखों का जुर्माना

क्रेडिट कार्ड व केवायसी नियमों के उल्लंघन का मामला

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प पर क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड से जुड़े नियमों का पालन न करने के लिए 31.80 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने 31 मार्च 2024 तक की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाईं। जांच में सामने आया कि अमेरिकन एक्सप्रेस ने कुछ क्रेडिट कार्डधारकों के असफल या गलत लेनदेन से बने क्रेडिट बैलेंस को ग्राहकों को वापस लौटाने का प्रयास नहीं किया। इस लापरवाही को **RBI** ने गंभीर नियामक उल्लंघन माना है। इसी दौरा आरबीई ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज पर भी 4.2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 में वितरित कुछ ऋण खातों में पैन कार्ड या संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने में विफल रही। यह उल्लंघन 'केवाईसी निर्देश, 2016' के प्रावधानों के खिलाफ माना गया। **RBI** ने इस लापरवाही को नियामक अनुपालन में कमी बताया। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि ये जुर्माने केवल नियामक अनुपालन की कमियों के कारण लगाए गए हैं। इन जुर्मानों का कंपनियों के कारोबार या उनके लेन-देन की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

आरबीआई की यह कार्रवाई वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए की गई है।

भारत में स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी हैंडसेट की हिस्सेदारी 87 फीसदी बढ़ी

अब वैश्विक स्तर पर 14वें स्थान पर, दक्षिण कोरिया-जापान सूची में टॉप पर

नई दिल्ली

भारत में कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी हैंडसेट की हिस्सेदारी 2025 की पहली छमाही में 87 फीसदी तक बढ़ गई है, जो देश में उपभोक्ताओं के बीच नए तकनीक वाले फोन को अपनाने की बढ़ते ट्रेड को दिखाता है। डेटा के मुताबिक भारत अब वैश्विक स्तर पर 14वें स्थान पर है।

किसी देश की रैंकिंग उसके कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी हिस्से के आधार पर तय होती है। 2023 की पहली छमाही में यह हिस्सेदारी 47 फीसदी थी और देश 40वें स्थान पर था। 2024 की पहली छमाही में यह बढ़कर 74 फीसदी हो गई और भारत 29वें स्थान आ गया। हालांकि, भारत को अभी लंबा रास्ता तय करना है।

ज्यादातर विकसित देशों में 5जी की हिस्सेदारी 90 फीसदी या उससे ज्यादा है। इसका कारण यह है कि 30 करोड़ से ज्यादा भारतीय अभी भी 2जी और 3जी फोन इस्तेमाल कर रहे हैं और 4जी में अपग्रेड होने की प्रक्रिया भी धीमी रही है। दक्षिण कोरिया और जापान इस सूची में टॉप पर हैं, जहां 2025 की पहली छमाही में कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी फोन का हिस्सा 97 फीसदी रहा। इसके बाद चीन और कनाडा 94 फीसदी के साथ हैं और अमेरिका थोड़ा पीछे 93 फीसदी पर है। एक विश्लेषक का कहना है कि भारत को टॉप 5 में आने में दो से तीन साल लगेंगे क्योंकि पश्चिमी यूरोपीय देशों में 5जी पहले से ही है, लेकिन उनका मानना है कि भारत 2026 तक 90 फीसदी का आंकड़ा पार कर जाएगा। भारत ग्लोबल एवरेज से आगे था, जो 2025 की पहली छमाही में कुल शिपमेंट का 71 फीसदी था। आंकड़ों के मुताबिक सूची में निचले दस देशों में पाकिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं, जिनके शिपमेंट में औसतन 5जी का योगदान 15 फीसदी था। वेनेजुएला इस सबसे नीचे था, जहां 5जी की हिस्सेदारी कुल स्मार्टफोन शिपमेंट का मात्र 1 फीसदी थी, जबकि निचले दस देशों में से छह अफ्रीकी देश थे, जिनमें घाना, तंजानिया, इथियोपिया, केन्या, कांगो और अल्जीरिया शामिल थे। इनकी हिस्सेदारी 11 फीसदी से 22 फीसदी के बीच थी। ग्लोबल स्मार्टफोन एक्सपोर्ट सेक्टर में भारत का प्रतिद्वंद्वी, वियतनाम भी 5जी फोन अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ग्लोबल स्मार्टफोन एक्सपोर्ट सेक्टर में भारत का प्रतिद्वंद्वी, वियतनाम भी 5जी फोन अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सितंबर में महिंद्रा ने घरेलू स्तर पर कुल 56,233 एसयूवी बेचीं

नई दिल्ली

फेस्टिव सीजन के दौरान महिंद्रा की पैसेंजर यूटिलिटी व्हीकल (पीयूवी) की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। महिंद्रा कंपनी ने सितंरब में घरेलू स्तर पर कुल 56,233 एसयूवी बेचीं, जो पिछले साल इसी महीने की तुलना में 10प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2025 के पहले छह महीनों, यानी अप्रैल से सितंबर तक, कुल बिक्री 2,97,570 यूनिट रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 14प्रतिशत की बढ़त दर्शाती है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में मिश्रित रुझान देखा गया। 2 टन से कम वजन वाले एलसीवी की बिक्री सितंबर में 2प्रतिशत घटकर 3,386 यूनिट रही, जबकि 2 से 3.5 टन की श्रेणी में 21प्रतिशत वृद्धि हुई और कुल बिक्री 23,342 यूनिट दर्ज की गई। छोटे एलसीवी में छह महीने की अवधि में 12प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन बड़े सेगमेंट में 12प्रतिशत की बढ़त के साथ कुल 1,14,176 यूनिट बिकीं। थ्री-व्हीलर और इलेक्ट्रिक वेरिएंट की बिक्री में भी सितंबर में 30प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 13,017 यूनिट तक पहुंची। निर्यात में भी मजबूती रही। सितंबर में विदेशी शिपमेंट 43प्रतिशत बढ़कर 4,320 यूनिट हुई, जबकि वित्तीय वर्ष की छमाही में कुल निर्यात 20,303 यूनिट रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। सेल्स में वृद्धि का मुख्य कारण जीएसटी 2.0 के तहत कीमतों में कटौती और फेस्टिव सीजन का असर रहा। बोलेरो और बोलेरो नियो पर कुल 2.56 लाख रुपये का लाभ मिला, जिसमें 1.27 लाख रुपये की सीधे कटौती और 1.29 लाख रुपये का अतिरिक्त लाभ शामिल है। एक्सयूवी 3एक्सह्न, थार, थार रॉक्स, स्कॉर्पियो, स्कॉर्पियो एन और फ्लैगशिप एक्सयूवी700 पर भी ग्राहकों को लाखों रुपये का लाभ मिला।के काम करने के लिए बेस्ट है।

अगले सप्ताह आएंगे पांच बड़े आईपीओ

27000 करोड़ तक जुटाने की तैयारी

मुंबई

इस सप्ताह शेयर बाजार में आईपीओ का बड़ा धमाल लेकर आ रहा है। करीब 27,000 करोड़ के फंड जुटाने की तैयारी के साथ कुल 29 लिस्टिंग्स होने जा रही हैं। इस आईपीओ वेव की अगुवाई टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया कर रही हैं, जो निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता है। टाटा कैपिटल, एक अग्रणी एनबीएफसी का आईपीओ 6 से 8 अक्टूबर तक खुलेगा। कुल साइज 15,500 करोड़ का है, जिसमें 6,846 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 8,666 करोड़ का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। यह टाटा ग्रुप का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। टाटा सॉन्स और आईएफसी अपने शेयर बेचेंगे। इसके बाद एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडियो का आईपीओ 7 से 9 अक्टूबर तक खुलेगा। यह पूरी तरह ओएफएस होगा, जिसमें साउथ कोरियन पैरेंट कंपनी 10.18 करोड़ शेयर बेचेगी, जिससे 11,600 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। इसका प्राइस बैंड 1,080-1,140 रुपए है और न्यूनतम निवेश 14,904 रुपए तय किया गया है। इसके अलावा भी कई बड़े आईपीओ लाइन अप हैं- वीवर्क इंडिया (3,000 करोड़), रुबिकॉन रिसर्च (1,377 करोड़), एनएसडीएल, एचडीबी फाइनेंशियल और अनंतम हाईवेज ट्रस्ट जैसे नाम शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से हराया

-सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने मैच के तीसरे दिन अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 448 रनों पर घोषित कर दी। वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 162 रन ही बना पायी थी। इस प्रकार भारतीय टीम के पास 286 रनों की बढ़त थी। ऐसे में उसने वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज टीम अपनी दूसरी पारी में लंच के बाद 146 रनों पर ही आउट हो गयी। भारत की ओर से रविन्द्र जडेजा ने 4 विकेट लिए, वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीन जबकि कुलदीप यादव ने 2 विकेट लिए। इस प्रकार भारतीय टीम ने ये मुकाबला आसानी से जीत लिया।

इस मैच में वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी दूसरी पारी में भी पहली पारी की तरह ही खराब रही। केवल एलिका अथानाजे ही 38 रन तक पहुंच पाये, जबकि जस्टिन ग्रीव्स ने 25, जेडन सील्स ने 22, जोहान लेन ने 14, जॉन कैंबेल ने 14, तेगनारायण चंद्रपॉल ने 8, ब्रेंडन किंग ने 5, रोस्टन चेज ने 1 और शाई होप ने 1 रन बनाए। वहीं, खैरी पियरे 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

इस मैच में भारतीय टीम के तीन बल्लेबाजों केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रविन्द्र जडेजा ने शतक लगाकर टीम को दूसरे ही दिन 488 रनों तक पहुंचा दिया था।

जडेजा ने बनाया रिकार्ड

भारतीय टीम के रवींद्र जडेजा ने इस मैच में अपने टेस्ट करियर का छठा शतक लगाकर एक रिकार्ड बनाया। उन्होंने इस मैच में महेन्द्र सिंह धोनी के टेस्ट में छक्के मारने का रिकार्ड भी तोड़ दिया। जडेजा के अब अपने टेस्ट मैचों में कुल 79 छक्के हो गये है। वहीं धोनी ने टेस्ट में 78 छक्के लगाए थे। टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड ऑलराउंड वीरेंद्र सहवाग के नाम है। सहवाग ने 91 छक्के लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर विकेटकीपर ऋषभ पंत हैं जिनके टेस्ट में 90 छक्के हैं जबकि रोहित शर्मा 88 छक्कों के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

राहुल ने 9 साल बाद घरेलू धरती पर शतक लगाया

राहुल ने इस टेस्ट में अपना 11वां शतक जमाया ये उनका नौ साल के बाद धरेलू धरती पर शतक है। इसके लिए राहुल ने गेंदें खेलीं।

वहीं युवा जुरेल ने भी इस मैच में मिले अवसर का लाभ उठाते हुए शतकीय पारी खेली।

वर्ल्ड कप में 20 साल बाद भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में 5 अक्तूबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होगी। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने जहां श्रीलंका को हराकर अपना विजयी आगाज किया वहीं पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। वहीं अब कोलंबो में इस हाईवोल्टेज मुकाबले का हर किसी को इंतजार है। खास बात ये है कि महिला वनडे वर्ल्ड कप में ये सिर्फ दूसरा मौका है जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। आखिरी बार 2005 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें आपस में भिड़ी थीं।

वहीं वनडे क्रिकेट में भारतीय महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ कभी नहीं हारी है। दोनों टीमें कुल 11 बार वनडे मुकाबले में भिड़ी हैं। सभी 11 मैच भारतीय महिला टीम ने अपने नाम किए हैं। आखिरी बार दोनों टीमें 2022 में वनडे मैच खेलने के लिए आमने-सामने थीं। उस मैच में भारत ने पड़ोसी देश को 107 रनों से हराकर करारी शिकस्त दी थी। वहीं वर्ल्ड कप की बात करें तो भारतीय टीम ने 2005 में एकमात्र वर्ल्ड कप मुकाबला पाकिस्तान से खेला है। कराची में हुए उस मुकाबले में भारत ने 193 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। अब वर्ल्ड कप में दूसरी बार और ओवरऑल वनडे में 12वीं बार दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। भारतीय टीम की बात करें तो टीम इस समय बेहतरीन फॉर्म में है। हालांकि, पहले मैच में स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला नहीं चला था। लेकिन वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया जैसे खतरनाक टीम को भारत ने नाकों चने चबवा दिए थे। स्मृति ने बैक टू बैक दो ताबड़तोड़ ऐतिहासिक शतकीय पारियां खेली थीं। जबकि पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के हाथों शर्मनाक हार झेलकर आई थी। पाकिस्तान की टीम पहले मुकाबले में महज 129 रन पर ही ढेर हो गई थी। ऐसे में भारतीय टीम का पलड़ा इस मुकाबले में बिल्कुल भारी रहने का आसार हैं।

ऑस्ट्रेलिया/न्यूजीलैंड: मार्श का पहला टी20 शतक, ऑस्ट्रेलिया ने चैपल-हेडली श्रृंखला 2-0 से जीती

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। मिचेल मार्श के नाबाद 103 रन की दमदार पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराकर चैपल-हेडली टी20 श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श ने 52 गेंद में आठ चौके और सात छक्कों की मदद से अपना पहला टी20 शतक पूरा किया। उनके अलावा केवल दो अन्य बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। ऑस्ट्रेलिया ने दो ओवर रहते ही 7 विकेट पर 160 रन बनाकर न्यूजीलैंड के 9 विकेट पर 156 रन के स्कोर को पार कर लिया।

न्यूजीलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी के सामने संघर्ष करती नजर आई और टॉस 15 मिनट देर से होने के कारण भी उनके बल्लेबाज साझेदारियां बनाने में नाकाम रहे। टिम सिफर्ट ने 35 गेंद में 48 रन बनाकर टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जबकि कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 और जिम्मी नीशाम ने 25 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश हेज़लवुड ने 26 रन देकर 2 विकेट लिए, जेवियर बार्टलेट ने 25 रन देकर 2 विकेट झटके, और सीन एबॉट ने 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत में ही 62 रन छह ओवर में बन गए थे। मिचेल मार्श ने ईश सोढ़ी पर लगातार छक्कों की मदद से केवल 21 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। न्यूजीलैंड ने मध्य ओवरों में नीशाम की गेंदबाजी के दम पर चार विकेट लिए, लेकिन मार्श ने टीम को मजबूत हाथों से जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले श्रृंखला का दूसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। मार्श ने पहले मैच में भी 43 गेंद में 85 रन बनाकर टीम की छह विकेट की जीत में अहम योगदान दिया था।

शुभमन ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय एकदिवसीय टीम के कप्तान बनाये गये , श्रेयस होंगे उपकप्तान

-विराट , रोहित की सात महीने बाद टीम में वापसी

-सूर्यकुमार की कप्तानी में जाएगी टी20 टीम

मुम्बई (एजेंसी)। शुभमन गिल टेस्ट के बाद अब एकदिवसीय प्रारुप के लिए भी भारतीय टीम के कप्तान बनाये गये हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए शुभमन गिल को एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया है। शुभमन को रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया है। रोहित अब एक बल्लेबाज के तौर पर ही टीम में रहेंगे। रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी टीम में शामिल किया गया है। इस प्रकार रोहित और विराट करीब सात महीने के बाद एक बार फिर खेलते नजर आयेंगे। ये दोनो ही अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में उतरे थे और उसे भारतीय टीम ने रोहित की कप्तानी में जीता था।

वहीं बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी टीम में शामिल किया गया है। श्रेयस को एकदिवसीय के लिए उपकप्तान बनाया गया है। कोहली और रोहित ने भारत के लिए आखिरी बार फरवरी-मार्च में खेला था।

तब दोनों चैंपियंस ट्रॉफी में टीम का हिस्सा थे। दोनों ने ही चैंपियंस ट्रॉफी में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एकदिवसीय सीरीज के लिए आराम दिया गया है जबकि टी20 सीरीज में उन्हें शामिल किया गया है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत चोट के कारण शामिल नहीं किये गये हैं।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसके बाद वह सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। मेजबानों के साथ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।

भारतीय टीम पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेलेगी जबकि दूसरा एकदिवसीय मैच 23 को एडिलेड में खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा एकदिवसीय मैच 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए एकदिवसीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप कप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज के लिए चुनी गई भारतीय टीम: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (उप कप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर.

जडेजा ने बनाया रिकार्ड, कपिल, बॉथम और इमरान के क्लब में शामिल

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली जीत में अहम भूमिका निभाने के दौरान ही शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी करते हुए एक नया रिकार्ड बनाया है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही जडेजा ने कपिल देव, इयान बॉथम और इमरान खान जैसे महान ऑलराउंडरों की बराबरी की है। अब जडेजा उन खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने छह या उससे अधिक टेस्ट शतक बनाए हैं और साथ ही 300 से अधिक विकेट भी अपने नाम किए हैं। जडेजा ने 169 गेंदों पर अपना छठा टेस्ट शतक पूरा किया। जडेजा अब इयान बॉथम, कपिल देव, इमरान खान, रवि अश्विन और डेनियल विटोरी जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं। यह उपलब्धि उन खिलाड़ियों की पहचान है जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दिया है। अब टेस्ट क्रिकेट में 4000 रन और 300 से अधिक विकेट लेने वाले चौथे क्रिकेटर बनने से केवल 10 रन दूर हैं। उन्होंने मैच के दौरान चार छक्के जड़कर पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब जडेजा टेस्ट में भारत के लिए चौथे सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जडेजा के नाम टेस्ट करियर में 79 छक्के हैं जबकि धोनी के नाम 78 छक्कों का रिकार्ड है।

भारत के निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलियाई शेफील्ड शील्ड में खेलेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलिया की रेड-बॉल प्रतियोगिता, शेफील्ड शील्ड में तस्मानिया की ओर से खेलते दिखेंगे। निखिल लिस्ट ए क्रिकेट में पंजाब की ओर से खेलते हैं। अब ऑस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड में खेलकर उनका करियर और निखर सकता है। ऑस्ट्रेलिया में छोटे क्लब स्तर पर खेलते हुए वह तस्मानिया तक पहुंचे हैं। निखिल ने पंजाब की ओर से खेलने के दौरान शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह के साथ खेला है। हालांकि वह रणजी ट्रॉफी में अभी तक नहीं खेल पाये हैं। ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद चौधरी ने क्लब क्रिकेट और वीकेंड टूर्नामेंट से खेलते हुए यहां तक का सफर किया है। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद वह बिग बैश लीग की टीम होबार्ट हरिकेंस पहुंची। इसके बाद क्रिकेट तस्मानिया ने उन्हें लिस्ट ए मैचों में अवसर नहीं दिया। उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ 2 विकेट जबकि विक्टोरिया के खिलाफ 67 रन बनाये। जिससे उन्हें लाभ हुआ। क्रिकेट तस्मानिया की हाई परफॉर्मेंस प्रमुख सैलियन बीम्स ने निखिल के यहां तक के सफर की प्रशंसा करते हुए कहा कि किसी दूसरे देश में जाकर इस प्रकार की उपलब्धि हासिल करना कठिन होता है पर इस क्रिकेटर ने अपने को साबित किया है। साथ ही कहा कि उनकी भूख और जुनून टीम को मजबूती देगी इससे पहले 1960 के दशक में रूसी सुरती ने की ओर से खेला था।

विश्व चैंपियनशिप में मीराबाई चानू का शानदार प्रदर्शन, भारत को दिलाया एक और रजत पदक

फॉरडे (नॉर्वे) (एजेंसी)। भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर और ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने 2025 विश्व वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। चानू ने कुल 199 किग्रा भार उठाया, जिसमें स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा शामिल था। यह उनके तीन साल बाद विश्व मंच पर लौटने का प्रतीक है।

स्नैच में चानू ने 84 किग्रा सफलतापूर्वक उठाया, लेकिन 87 किग्रा के अगले दो प्रयासों में वे सफल नहीं हो सकीं और इस खंड में कांस्य पदक हासिल किया। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने क्रमशः 109, 112 और 115 किग्रा उठाया। अंतिम प्रयास की सफलता ने उन्हें रजत पदक दिलाया और उनके सर्वोत्तम प्रदर्शन को दोहराया।

पदक तालिका में उत्तर कोरिया की री सॉन्ग-गुम ने 213 किग्रा (91+122) के साथ स्वर्ण पदक और क्लीन एंड जर्क व कुल भार में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। थाईलैंड की थान्यातॉन सुकचारोएन ने 198 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता।

यह मीराबाई का तीसरा विश्व चैंपियनशिप पदक है; उन्होंने 2017 में स्वर्ण और 2022 में रजत पदक जीते थे। उनका 115 किग्रा का क्लीन एंड जर्क प्रदर्शन टोक्यो ओलंपिक में किए गए सर्वश्रेष्ठ भार के बराबर है। इस जीत से भारत को तीन साल बाद विश्व चैंपियनशिप में पदक मिला और अब तक इस टूर्नामेंट में भारत के सभी 18 पदक महिलाओं ने ही हासिल किए हैं। मीराबाई के साथ भारतीय टीम में कोयल बर, बिंद्यारानी देवी, निरुपमा देवी, हरजिंदर कौर, वंशीता वर्मा और मेहक शर्मा भी शामिल हैं। इनमें से कई खिलाड़ियों ने पहले ही कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पदक जीते हैं।

पेरिस 2024 ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने और चोटों से जूझने के बाद यह रजत पदक मीराबाई के करियर में महत्वपूर्ण पुनरुत्थान का संकेत है। उनके इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे विश्व स्तरीय वेटलिफ्टिंग में भारत का गौरव बढ़ाती रहती हैं।

चाइना ओपन 2025 : कोको गॉफ का सफर सेमीफाइनल में थमा, अमांडा एनिसिमोवा ने दी करारी शिकस्त

बीजिंग। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ की चाइना ओपन में खिताब बचाने की उम्मीदें शनिवार को समाप्त हो गई। सेमीफाइनल में उनकी हमवतन और तीसरी वरीय अमांडा एनिसिमोवा ने उन्हें 58 मिनट के भीतर सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से मात दी। गॉफ, जिन्होंने पिछले साल चाइना ओपन का खिताब जीता था, इस बार अपनी लय में नजर नहीं आईं और एनिसिमोवा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए उन्हें कोई मौका नहीं दिया। अमांडा ने शानदार सर्विस और बेसलाइन से ताकतवर शॉट्स खेलकर मुकाबले पर पूरी तरह से नियंत्रण बनाए रखा। इस जीत के साथ अमांडा एनिसिमोवा ने फाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना पांचवीं वरीय जेसिका पेगुला और लिंडा नोसकोवा के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। गॉफ की इस हार से टूर्नामेंट का खिताबी समीकरण और भी दिलचस्प हो गया है क्योंकि एनिसिमोवा इस समय बेहतरीन फॉर्म में दिखाई दे रही हैं और फाइनल में उनके खेल पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

शुभमन एकदिवसीय में रोहित के सबसे अधिक स्कोर का रिकार्ड तोड़ सकते हैं : बांगर

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर और कोच संजय बांगर का मानना है कि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल आने वाले समय में एकदिवसीय में रोहित शर्मा के 264 रनों के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। बांगर ने कहा कि अगर शुभमन टिककर अंत तक बल्लेबाजी करें तो निश्चिय ही रोहित का रिकार्ड तोड़ देंगे क्योंकि उनके पास अच्छी तकनीक होने के साथ ही उनका स्ट्राइक रेट भी अच्छा है। बांगर के अनुसार जिस प्रकार से शुभमन ने टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन किया है उसको देखते हुए ये तय है कि वह आगे भी इसी प्रकार खेलेंगे। शुभमन ने अब तक 55 एकदिवसीय मैचों में

आठ शतक और 15 अर्धशतक के साथ ही 2,755 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 208 रन है, जो उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ केवल 149 गेंदों में बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 19 चौके और नौ छक्के लगाये थे।

बांगर का मानना है कि गिल अगर टिककर लंबी पारी खेलते हैं तो वह रोहित का रिकॉर्ड तोड़ने में पीछे नहीं रह सकते हैं। उनके मुताबिक गिल की तकनीक, स्ट्राइक रेट और धैर्य उन्हें यह बड़ा रिकॉर्ड हासिल करने के लिए तैयार बनाते हैं। क्रिकेट विशेषज्ञ इसे एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संभव मिशन मान रहे हैं। वहीं बांगर ने आक्रामक सलामी बल्लेबाजा अभिषेक शर्मा की भी जमकर प्रशंसा की है। बांगर ने कहा कि अभिषेक युवराज सिंह के 2007 टी20 विश्व कप अर्धशतक के रिकॉर्ड को भी तोड़ सकते हैं।

पैरा चैंपियनशिप : कियारा रोड्रिग्ज ने रचा इतिहास, चौथी बार जीता लंबी कूद का स्वर्ण पदक

नयी दिल्ली: इक्वाडोर की कियारा रोड्रिग्ज ने इंडियनऑयल नयी दिल्ली पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में लगातार चौथी बार महिलाओं की लंबी कूद टी-47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। कियारा ने 6.29 मीटर की छलांग लगाई, जबकि हंगरी की पेट्रा लुटेरन (5.98 मीटर) ने रजत और डेनमार्क की ब्योर्कर नोएरेमाकर (5.84 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत की निमिषा सुरेश चक्कुंगलपरम्बिल ने 5.74 मीटर की छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड बनाया, लेकिन बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण पोडियम से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। कियारा इससे पहले 100 मीटर टी-47 में भी स्वर्ण जीत चुकी हैं और तिहरा पदक हासिल करने की कोशिश में हैं। इस बीच, अमेरिका के माइकल ब्रैनिगन ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-20 और ईरान के अली बाजियारशूरिजेह ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। पदक तालिका में ब्राज़ील (12 स्वर्ण) शीर्ष पर कायम है, जबकि चीन 40 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर और भारत (6 स्वर्ण, 5 रजत, 4 कांस्य) चौथे स्थान पर है।

अभिषेक बोले, युवराज के लगाये प्रशिक्षण सत्र से बल्लेबाजी में आया निखार : अभिषेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से धूम मचाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस सफलता का श्रेय अपने गुरु युवराज सिंह को दिया दिया है। अभिषेक के अनुसार कोरोना संक्रमण के दौर में जब लॉकडाउन लगा था और सभी खेल मुकाबले रुक गये थे तब युवराज ने उन्हें प्रशिक्षण दिया था जिसका लाभ अब उन्हें मिला है। तब अभ्यास के दौरान युवराज ने कहा था कि तुम जल्द ही भारतीय टीम के लिए मैच जीतोगे। अभिषेक के अनुसार अब उनकी कही बातें सही साबित हो रही हैं। अभिषेक ने एक शो में कहा कि युवराज की देखरेख में जिस प्रकार से उन्होंने अभ्यास किया उससे उनकी बल्लेबाजी तकनीक बेहतर हुई।

इसी कारण वह एशिया कप में सबसे ज्यादा रन बनाने में भी सफल रहे। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, मैं युवराज का बहुत शुक्रगुजार हूं। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण सत्र रखा था जिसमें मेरे अलावा शुभमन गिल और प्रभसिमरन सिंह व अनमोलप्रीत सिंह आदि थे। तब मैं संघर्ष कर रहा था। यहां तक कि आईपीएल की अपनी टीम में भी अंतिम ग्यारह में जगह बनाना आसान नहीं हो रहा था। वहीं शुभमन को भारतीय टीम में जगह मिल गयी थी।

आईपीएल में निरंतरता में कमी के कारण मैं अंतिम ग्यारह में अपनी जगह पक्की नहीं कर पा रहा था। वहीं शुभमन पहले से ही भारत के लिए खेल रहा था। तब मुझे ऐसा लगना शुरू हो गया कि मैं पीछे रह गया हूं क्योंकि मेरे समूह के सभी लोग पहले ही अच्छा कर रहे थे। तभी युवराज ने कहा था कि वह मुझे भारत के लिए मैचों को जीतने के लिए तैयार कर रहे हैं और ऐसा दो से तीन साल में ही हो जाएगा। उसे सत्र के बाद मैंने महसूस किया कि मेरा लक्ष्य तो कुछ और ही था। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान युवराज पारे समय साथ रहते थे और रिकार्डिंग तक दिखकर गलतियां बताते थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जीव-जंतुओं की दुनिया के सबसे अनोखे सदस्य

दोस्तों जीव-जंतुओं की दुनिया बड़ी ही निराली है। इस दुनिया के बारे में हम जितना भी जानते हैं उतनी ही हमारी और जानने की ख्वाहिश बढ़ती चली जाती है। हमारी दुनिया में कई छोटे-बड़े जीव ऐसे हैं जिनकी खासियतें बड़ी ही अनोखी और निराली हैं। आज ऐसे ही कुछ जीवों से हम आपको रूबरू करा रहे हैं। हम इन जीवों की खासियतें भी आपको बताएंगे। अगर आप उन लोगों में से एक हैं जिन्हें जीव-जंतुओं की दुनिया में घुसने में मजा आता है तो यकीन जानिए, ये आपके लिए ही है।

रोसी मेपल मोथ

ये उत्तरी अमेरिका में बहुतायत में पाया जाने वाला एक कीट है। आम बोलचाल में इसे रोसी मेपल मोथ कहा जाता है। वहीं वैज्ञानिक भाषा में इसे ड्रायोकैम्पा रुबीक्यूंडा कहा जाता है। ये रेशम का का कीट है। इसिलिए इसे फैब्रीसियस भी कहा जाता है। इस तस्वीर में दिखाई दे रहा ये कीट अपना एक पैर उठाए हुए है जिसे देखकर लग रहा है जैसे ये हैलो कर रहा है।

अमेरिका में कई किसान इन्हें पालते भी हैं।

एग्जेंथिक ब्लू इगुआना

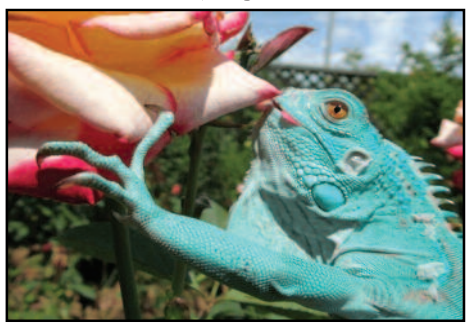

इगुआना एक प्रकार की छिपकली होती है। एग्जेन्थिक ब्लू इगुआना सभी प्रकार की इगुआना में सबसे खूबसूरत होती है। ये इतनी खूबसूरत होती है कि अमेरिका जैसे देशों में इसे लोग शौक से पालते भी हैं। अमेरिका में इसके पालने पर प्रतिबंध नहीं है और लोग इसे बाजार में बेच भी सकते हैं। गुलाब की खुशबू सूंघती इस इगुआना की तस्वीर काफी वायरल हुई थी।

वॉम्बेट

ये बेहद अनोखा और बेहद प्यारा जीव इन दिनों बेहद खतरनाक हालात से जूझ रहा है। ये ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है। और जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों बेहद भीषण आग लगी है जिसमें 50 करोड़ से भी अधिक जीव जलकर खाक हो गए हैं। ये एक छोटा वॉम्बेट है। वॉम्बेट के पैर और पूंछ इनके शरीर की तुलना में काफी छोटी होती है। इनका शरीर 1 मीटर तक लंबा हो जाता है। ये पहाड़ी, मैदानी और जंगली इलाकों में पाए जाते हैं।

सम्राट तामरीन

ये मूंछों वाला बंदर तामरीन बंदरों की कई प्रजातियों में से एक है। इसे सम्राट तामरीन कहा जाता है। कहा जाता है कि जर्मन सल्तनत के सम्राट विल्हेम द्वितीय की मूंछे भी इसी तरह की हुआ करती थी। इसिलिए इस तामरीन बंदर को सम्राट तामरीन कहा जाता है। ये बंदर अमेजन के जंगलों में बहुतायत में पाए जाते हैं।

स्कॉटिश भेड़

स्कॉटलैंड में बहुतायत में भेड़ पालन करने वाले किसान वास करते हैं। स्कॉटलैंड में इंसानों से ज्यादा भेड़ें रहती हैं। यहां के 15000 भेड़ फार्म्स में 70 लाख के आस-पास भेड़ें रहती हैं। किसान इन भेड़ों को दूध, ऊन और मांस के लिए पालते हैं। पिछले दिनों एक शीप फार्म से इस भेड़ की ये अनोखी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।

रोशनी वाला पेड़

भारत में हिमालय के आसपास कुछ ऐसे पेड़-पौधे भी हैं, जो रात के घोर अंधकार में चमक उठते हैं। उन्हें देखकर ऐसा लगता है, जैसे लाइट जल उठी हो। ऐसा ही एक पौधा सोम औषधि है। पूर्णिमा की रात से अमावस्या तक इसके सारे पत्ते गिर जाते हैं और यह रात को चमकता है। कुछ पेड़ हैं, जिनके तनों से विशेष किस्म का द्रव्य बहता है, यह द्रव्य अंधेरा होने पर चमकता है। मशरूम की भी कुछ किस्में ऐसी होती हैं, जो रात को चमक देती हैं।

कहां जाएं ध्रुवीय भालू

इनसानी दखल का असर अब ध्रुवीय भालू की जिंदगी पर पड़ने लगा है। बर्फीले आर्कटिक क्षेत्र के निवासी ये भालू गरम होते क्षेत्र के कारण अपने रहने के स्थान खोने लगे हैं। बर्फ पिघलने से इन्हें खाने के लिए भी ठीक से नहीं मिल पा रहा है। उस पर बड़ी कंपनियां लगातार उनके इलाके में घुसपैठ कर रही हैं, जिस कारण इन भालुओं को लगातार अपने रहने का ठिकाना बदलना पड़ रहा है। ऐसे में खाने की कमी को ये दूसरे भालुओं को मारकर पूरी कर रहे हैं। बड़े भालुओं का शिकार आमतौर पर मादा भालू या बच्चे बन रहे हैं। ऐसी घटनाएं पहले कभी-कभार ही होती थीं। इससे ध्रुवीय भालू के लुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

मेहुल की सेल्फी

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया।

'मेहुल.ओ.मेहुल। कहां हो तुम?' मां मेहुल को काफी देर से ढूंढ़ रही थीं, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आ रहा था। जब मेहुल उन्हें अपने कमरे में भी नहीं दिखाई दिया तो वह सोच में पड़ गईं कि इतनी गर्मी में मेहुल बिना बताए कहां गया है। तभी उन्हें ख्याल आया कि एक बार छत पर जाकर भी देख लिया जाए। वैसे इस भरी दोपहर में उन्हें उसके छत पर होने की उम्मीद कम ही थी, लेकिन उनका मन नहीं माना। पर यह क्या! जैसे ही वह छत पर पहुंचीं तो देखा कि मेहुल छत पर खड़ा अपने नए मोबाइल से सेल्फी खींचने में व्यस्त है! वह सेल्फी में इतना खोया हुआ था कि उसे न तो मां की आवाज सुनाई दे रही थी और न ही उनके छत पर आने का पता था। मां ने उसके करीब जाकर उसकी पीठ पर थप्पड़ मारते हुए कहा, 'यह क्या कर रहे हो तुम इतनी धूप में?' तो वह चौंका। 'कुछ नहीं मां, बस यूं ही।' 'यूं ही क्या?' मां ने गुस्से से उसकी तरफ देखते हुए कहा। 'मां, अपने इस नए मोबाइल से कुछ सेल्फी ले रहा था, दोस्तों को दिखाने के लिए।' 'क्या मतलब, क्या तुम्हें यह मोबाइल इतनी धूप में सेल्फी खींचने के लिए मिला है?' मां ने उसे डांटते हुए कहा। 'चलो नीचे, मां उसका हाथ पकड़ कर ले जाने लगीं।' मेहुल अनमने मन से मां के साथ चलने लगा।

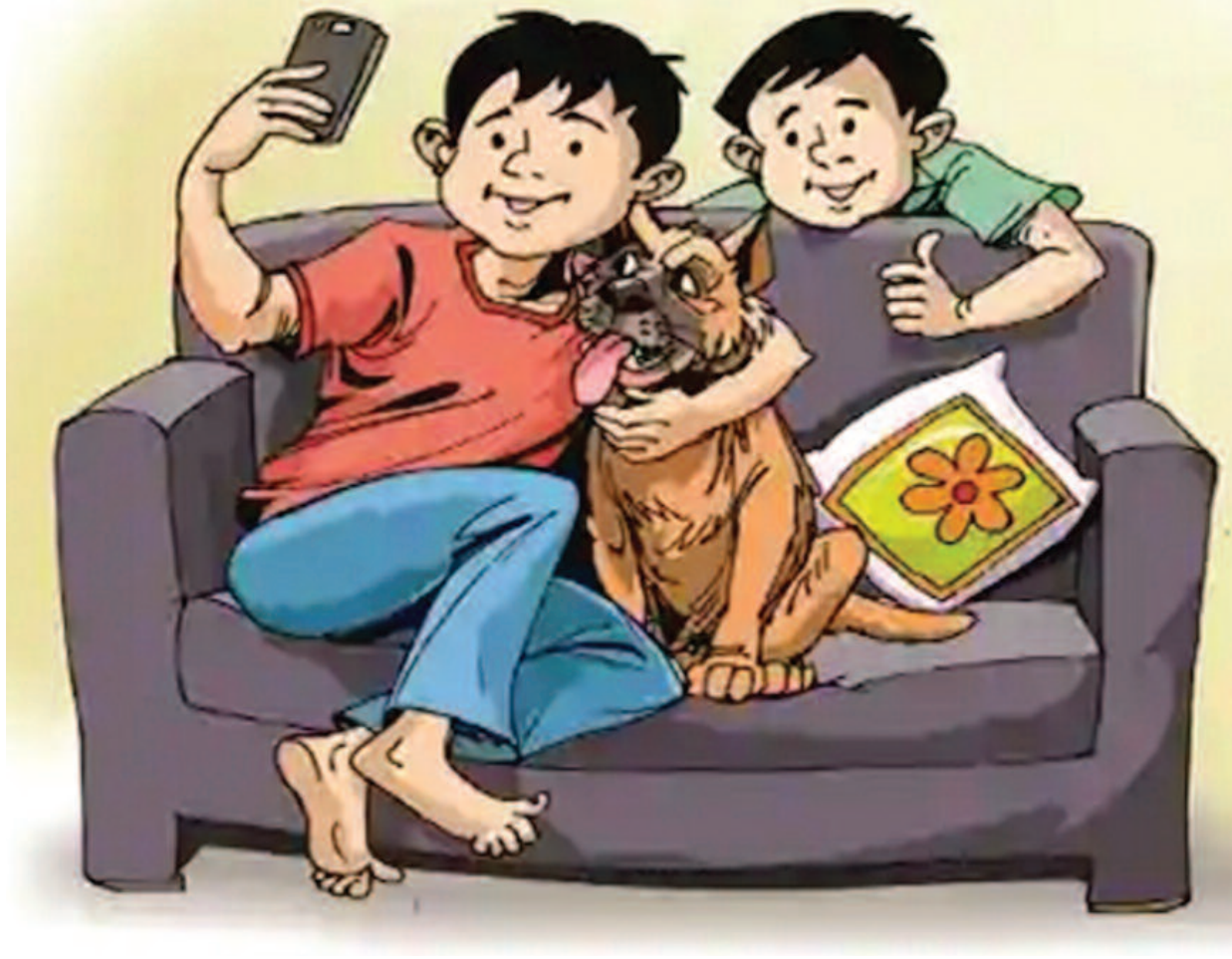

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया। मोबाइल पाकर मेहुल की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने सभी दोस्तों को मोबाइल दिखाया और दिन भर उनके साथ सेल्फी का मजा लिया। देर शाम को जब वह घर आया तो मां ने उसे टोका भी, 'यह क्या बात हुई कि तुम नए मोबाइल के साथ दिन भर गायब रहे। न खाने-पीने की चिंता, न गर्मी की चिंता। कहीं बीमार हो गए तो स्कूल से छुट्टी लेनी पड़ेगी।' मां ने उसे ज्यादा नहीं डांटा, उन्हें लगा कि यह दो-तीन दिन का बुखार है, बाद में सब ठीक हो जाएगा। अगले दिन सुबह रोज की तरह मेहुल उठा और तैयार होकर स्कूल जाने लगा। उसने अपने बैग में अपना नया मोबाइल भी रख लिया। मां ने उसे ऐसा करते हुए देख लिया। उन्होंने उसके बैग से मोबाइल निकालते हुए कहा, 'तुम स्कूल पढ़ने जा रहे हो या मोबाइल पर बातें करने या फिर सेल्फी खींचने के लिए।' मां उसकी ओर गुस्से से देखते हुए मोबाइल लिए किचन में चली गईं। मेहुल गुस्से से पैर पटकते हुए स्कूल की ओर चल दिया। आज उसका मन क्लास में नहीं लग रहा था। उसे बस यही इंतजार था कि कब स्कूल की छुट्टी हो और वह घर जाकर अपने मोबाइल से तरह-तरह की सेल्फी ले।

आखिर उसके इंतजार की घड़ी खत्म हुई। स्कूल की छुट्टी हो गई। घर पहुंचते ही मेहुल सीधा मां के पास पहुंचा और कहा, 'मां, मेरा मोबाइल कहां है?' मां ने उसकी तरफ देखते हुए कहा, 'पहले कपड़े बदलो और खाना खा लो फिर तुम्हारा मोबाइल भी तुम्हें मिल जाएगा।' यह कहकर मां किचन की ओर चल दीं। मेहुल समझ गया कि अगर उसे मोबाइल चाहिए तो मां का कहना मानना ही पड़ेगा। उसने जल्दी से कपड़े बदल कर खाना खाया। मां ने उसका मोबाइल लाकर उसे दे दिया। मोबाइल देखकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जाते-जाते मां ने उसे हिदायत दे दी कि इस गर्मी में वह छत पर या बाहर न जाए। मेहुल ने मन ही मन सोचा, यह भी कोई बात हुई। घर पर भी कोई सेल्फी लेता है। असली मजा तो बाहर सेल्फी लेने में है। मोहित के डॉगी रॉकी के साथ या फिर राहुल के भैया की बाइक पर। सोसाइटी में बने स्वीमिंग पूल पर सेल्फी का तो अलग ही मजा आएगा। यह सोचकर मेहुल बाहर जाने लगा। मां ने उसे बाहर जाते हुए देखकर कहा, 'इस दोपहर में कहां जा रहे हो?' 'मां, मैं मोहित के घर जा रहा हूं, थोड़ी देर में आ जाऊंगा।' मां ने उससे कहा, 'जल्दी आ जाना। शाम को तुम्हारे मामा आने वाले हैं। हम सब उनके साथ बाहर घूमने जाएंगे।' 'पक्का मां, मैं जल्दी आ जाऊंगा।' यह कहकर मेहुल तेजी से मोहित के घर की ओर भागा।

मेहुल को देख मोहित खुश हो गया। मेहुल और मोहित दोनों मोबाइल से सेल्फी लेने लगे। तभी मेहुल को मोहित का डॉगी दिखाई दिया। उसने मोहित से कहा, 'क्यों न रॉकी के साथ सेल्फी ली जाए।' मोहित ने उसकी हां में हां मिलाई। फिर क्या था कि दोनों रॉकी के साथ सेल्फी लेने लगे। पहले तो रॉकी को भी उनके इस खेल में मजा आ रहा था लेकिन जल्दी ही वह उनकी हरकतों से उकता गया। वह एक-दो बार उन पर गुर्राया भी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। तभी सोफे पर बैठे मेहुल ने अपनी बगल में बैठे रॉकी को गर्दन से लगभग खींचते हुए अपने पास लाकर सेल्फी खींचनी चाही तो रॉकी भड़क गया और उसने मेहुल के हाथ पर काट लिया। मेहुल के मुंह से चीख निकल गई। मोहित की मम्मी बगल के कमरे से दौड़ी-दौड़ी आईं। रोते हुए मेहुल और खून से सना हुआ उसका हाथ देखकर वह घबरा गईं। उन्होंने जल्दी से उसके घाव को साबुन से धोया और उसे डॉक्टर के पास ले गईं। रास्ते में उन्होंने मोहित से पूछा, 'यह कैसे हुआ?' 'मां, रॉकी ने काटा है' मोहित ने कहा। 'ऐसे कैसे काट लिया, सच-सच बात बताओ?' 'मां, मेहुल रॉकी के साथ सेल्फी ले रहा था, तभी पता नहीं इसे क्या हुआ और इसने मेहुल को काट लिया।' 'तुम अपने सेल्फी के मजे में यह भूल गए कि तुम्हारी इन हरकतों से रॉकी को परेशानी हो रही है। उसे जब कुछ समझ नहीं आया होगा तो उसने मेहुल को काटकर अपना गुस्सा जता दिया।' मां ने नाराज होते हुए कहा।

डॉक्टर से पट्टी करवाने के बाद मेहुल घर पहुंचा तो उसे इस हालत में देखकर मां एकदम घबरा गईं लेकिन जब असली बात पता चली तो उसे मां की डांट भी खानी पड़ी। उसे समझ आ गया था कि काश उसने सेल्फी की बीमारी को अपने सिर पर चढ़ने नहीं दिया होता तो यह सब नहीं होता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम लोकनेते डीबी पाटिल होगा, सीएम फडणवीस ने घोषणा की

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम आधिकारिक तौर पर लोकनेते डीबी पाटिल नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा रखा जाएगा। यह निर्णय नवी मुंबई और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है और दिवंगत लोकनेते दिनकर बालू पाटिल के किसानों के अधिकारों और क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करता है। इस नामकरण प्रस्ताव को महाराष्ट्र राज्य मंत्रिमंडल और राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने भी यह मामला रखा गया है, जिन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। केंद्र सरकार हवाई अड्डों के नामकरण के लिए एक व्यापक नीति तैयार कर रही है। इस नीति को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही राज्य सरकार के स्वीकृत प्रस्ताव के आधार पर हवाई अड्डे के नामकरण को आधिकारिक स्वीकृति प्रदान की जाएगी। हवाई अड्डे का नाम लोकनेते डीबी पाटिल के नाम पर रखने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान दर्ज सभी लंबित पुलिस मामलों को वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। इसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसरों से वंचित होने से बचाना है। कोविड-19 अवधि के दौरान दर्ज मामलों को भी कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से वापस लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा हिमाचल की जनता से किए वादे निभाए : अनुराग ठाकुर

मदुरै (एजेंसी)। मंडी,(ईएमएस)। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंडी में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा हिमाचल की जनता से किए वादे निभाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिए मोदी सरकार ने कई बड़े प्रोजेक्ट और हजारों-करोड़ की योजनाओं को लागू किया है। सांसद ठाकुर ने राज्य सरकार पर निशाना साधकर कहा, 'जब अपनी विफलताओं के लिए जनता सवाल पूछ रही है, तब कांग्रेस सरकार आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करने में लगी है। मगर हिमाचल की जनता अच्छी तरह जानती है कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं, वहां करके दिखाते हैं।

भाजपा सांसद ने दावा किया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में हिमाचल प्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है और हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। सांसद ठाकुर ने कांग्रेस पर प्रहार कर कहा कि जनता को गुमराह करने की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चल पाएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रदेश की जनता भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की विकासपरक नीतियों पर फिर विश्वास जताएगी।

सीमा पर मंडराता दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, सुरक्षा बल अलर्ट, तलाशी अभियान जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे गांव के ऊपर पाकिस्तानी ड्रोन मंडराता दिखा। इसे लेकर सुरक्षा बलों ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान की ओर से शुक्रवार देर रात ड्रोन जैसी एक वस्तु आती दिखी, जो रामगढ़ सेक्टर के नांगा गांव के ऊपर मंडराती रही जिससे सीमावर्ती क्षेत्र में बल सतर्क हो गए। सुरक्षा बलों और पुलिस दलों को इलाके की तलाशी लेने तैनात किया गया कि सीमा पार से नशीले पदार्थों और हथियारों जैसी कोई भी सामग्री गिराई तो नहीं गई। अधिकारियों ने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक तलाशी अभियान जारी था। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर आसपास के गांवों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दूसरी ओर, सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का अमृतसर में भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से 1.50 किलोग्राम हेरोइन और 12 पिस्तौल बरामद की हैं। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान तरनतारन के गांव मारी मेघा निवासी जोबन सिंह, करणदीप सिंह उर्फ पंडित और अजयपाल सिंह, अमृतसर के गांव रानिया निवासी जशनप्रीत सिंह के रूप में हुई। 16 साल का एक किशोर को भी हिरासत में लिया गया है।

मुंबई हवाई अड्डे पर दो महिलाओं से 79 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डीआरआई ने एक बड़े ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 79 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की गई है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया है कि डीआरआई मुंबई की विभागीय इकाई ने बैंकॉक से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची दो महिला यात्रियों से अवैध रूप से तस्करी कर लाई गई 7.95 किलोग्राम कोकीन जब्त की है। जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 79.5 करोड़ रुपये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैंकॉक से मुंबई पहुंची दो महिला यात्रियों को डीआरआई अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के बाद हवाई अड्डे पर रोक लिया। उनके सामान की जांच के दौरान खिलौनों के एक पैकेट में छिपाकर रखा गया प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया गया। खिलौनों के एक डिब्बे में सफेद पाउडर के ईंट के आकार के 22 पैकेट छिपाए गए थे। इन सभी पैकेटों को जब्त कर लिया गया और मौके पर ही प्रारंभिक जांच की गई। एनडीपीएस फील्ड किट से की गई जांच में पुष्टि हुई कि वह पदार्थ कोकीन है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों महिलाओं को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

जब भारत उड़ान भरता है, तो झूठ जमीन पर गिर जाता है: सिंघवी

- ऑपरेशन सिंदूर के बयान पर कांग्रेस नेता अजय को पार्टी के ही नेता ने घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर शक जाहिर करने वाले कांग्रेस नेता अजय राय घिरते नजर आ रहे हैं। बता दें शुक्रवार को एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और सीडीएस उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने बयान पर पाकिस्तान को लताड़ा था। इनके संबोधन के बाद कांग्रेस नेता ने कटाक्ष करते हुए कहा था कि 'कुछ तो गड़बड़' है। दरअसल, उन्होंने एयर चीफ मार्शल और सीडीएस के बयान को विरोधाभासी बताया था। बीजेपी ने हमला करते हुए उनको सेना के मनोबल गिराने का आरोप लगाया था। लेकिन, अब अजय राय अपनी पार्टी के नेता से घिरते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने एक्स पर सेना और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पोस्ट किया है।

सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा करने वाले अजय राय अपनी ही पार्टी के नेता के बयान से घिरते हुए नजर आ रहे हैं। सिंघवी ने एक्स पर पोस्ट के जरिए पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। दरअसल, सिंघवी ने लिखा- भारतीय तथ्य पाकिस्तानी दुष्प्रचार से ज्यादा ज़ोरदार है। जैसा कि भारतीय वायुसेना प्रमुख ने पुष्टि की है, पाकिस्तान के 'शीर्ष हथियार' एफ-16 और जेएफ-17 उनके झूठे बयानों से भी तेजी से गिरे। जब भारत उड़ान भरता है, तो झूठ जमीन पर गिर जाता है! सिंघवी के इस पोस्ट से तो अजय राय के सवाल भी बिखर कर गिर गए होंगे।

एयरफोर्स के 93वें स्थापना दिवस पर वायुसेना प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के कई एयरफील्ड और एसेस्ट्स का नुकसान हुआ। इंटेलिजेंस रिपोर्ट के मुताबिक उनके 3 हैंगर और टारमेक को निशाना बनाया गया। हमने 6-7 एयरक्राफ्ट को मार गिराया, जो कि उन जगह पर मौजूद थे। इसमें जे-130 और एफ-16 हो सकते हैं। साथ ही हमने एक लॉन्ग रेंज स्ट्राइक में पाकिस्तान के 5 हाईटेक फाइटर मार गिराए हैं।

वायुसेना अध्यक्ष और थल सेनाध्यक्षों के बयान के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा कर दिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर सफाई दी जा रही है। इससे साबित होता है कि कुछ तो गड़बड़ है। इनके तमाम आला अधिकारी भी अलग-अलग बयान देते हैं। जो दर्शाता है कि अंदर कुछ बहुत गंभीर चल रहा है। पीएम मोदी को देश के लोगों के सामने सब कुछ साफ करना चाहिए।

सरकार जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती, बुलडोजर एक्शन कानून का उल्लंघन : सीजेआई गवई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई का कहना है, कि भारतीय न्याय व्यवस्था रूल ऑफ लॉ यानी कानून के शासन से चलती है, इसमें बुलडोजर एक्शन की जगह नहीं है। सीजेआई मॉरीशस में आयोजित सर मॉरिस रॉल्ट मेमोरियल लेक्चर 2025 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल के फैसले में स्पष्ट किया था कि किसी आरोपी के खिलाफ बुलडोजर चलाना कानून की प्रक्रिया को तोड़ना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई ने कहा कि सरकार एक साथ जज, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती। बुलडोजर शासन संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। लेक्चर के दौरान मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमबीर गोखूल, पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम और मुख्य न्यायाधीश रेहाना मंगली गुलबुल भी मौजूद थे। सीजेआई गवई ने तीन तलाक खत्म करने, व्यभिचार कानून को निरस्त करने, चुनावी बॉन्ड स्कीम और निजता को मौलिक अधिकार मानने जैसे फैसलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन सभी फैसलों ने दिखाया कि कोर्ट ने रूल ऑफ लॉ को एक ठोस सिद्धांत बनाया है, जिससे मनमाने और अन्यायपूर्ण कानून खत्म किए गए। चीफ जस्टिस गवई ने कहा कि भारत में रूल ऑफ लॉ केवल नियमों का सेट नहीं है, बल्कि यह नैतिक और सामाजिक ढांचा है, जो समानता, गरिमा और सुशासन तय करता है। उन्होंने महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान का हवाला देते हुए कहा कि उनका दृष्टिकोण बताता है कि लोकतंत्र में कानून का राज ही समाज को न्याय और जवाबदेही की ओर ले जाता है।

कंपनियों ने ट्रंप को लेटर लिख बता दिया एच-1बी वीजा फीस बढ़ाने का परिणाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1बी वीजा फीस को बढ़ाकर 88 लाख करने के फैसले ने अमेरिकी कंपनियों की नींद उड़ा रखी है। कंपनियों ने पत्र लिखकर ट्रंप को समझा दिया है कि फीस बढ़ाने परिणाम क्या होंगे। लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके अधिकारी किसी की सुनने को तैयार नहीं हैं। पत्र में कहा गया है कि वीसा फीस बढाने से कंपनियों को कुशल कर्मचारी मिलने में बहुत कठिनाई होगी और उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उद्योग तबाह हो जाएंगे और अमेरिकी अर्थव्यवस्था गर्त मे चली जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को ट्रंप को भेजे गए एक पत्र में, चिपमेकर, सॉफ्टवेयर कंपनियों और रिटेलर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले करीब दर्जनभर उद्योग संगठनों ने कहा कि नया वीजा शुल्क विदेशी प्रतिभा से अमेरिकी कंपनियों को वंचित कर देगा और बहुत से महत्वपूर्ण पद खाली रहे जाएंगे। जिन उद्योग संगठनों ने पत्र लिखा है कि उनमें माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, वॉलमार्ट जैसी बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। ये कंपनियां वर्षों से ये कंपनियां एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम पर निर्भर रही हैं। पत्र में उद्योगों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि वह एच-1बी कार्यक्रम में सुधार करें, लेकिन ऐसे बदलाव न करें जो कंपनियों के लिए अतिरिक्त बोझ बनें। उन्होंने लिखा, हम चाहते हैं कि प्रशासन उद्योग के साथ मिलकर सुधार करे, न कि कंपनियों की भर्ती, प्रशिक्षण और प्रतिभा बनाए रखने की चुनौतियों को और बढ़ाए। सेमीकंडक्टर उद्योग संगठन, नेशनल रिटेल फेडरेशन, बिज़नेस सॉफ्टवेयर एलायंस और एंटरटेनमेंट सॉफ्टवेयर एसोसिएशन जैसे समूहों ने भी पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इन सभी ने स्पष्ट किया कि वे प्रशासन के साथ मिलकर सुधार करने के लिए तैयार हैं, लेकिन नए शुल्क से कंपनियों की प्रतिभा आपूर्ति श्रृंखला खतरे में पड़ सकती है।

वांगचुक की गिरफ्तारी पर मगरमच्छ के आँसू बहाने वाली कांग्रेस... आपातकाल भूल गई क्या

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने फिर कांग्रेस पार्टी की जमकर खिंचाई की

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने फिर कांग्रेस पार्टी की फिर जमकर घेराबंदी की है। सांसद दुबे ने सोनम वांगचुक का समर्थन करने पर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आपातकाल के दौरान बीजेपी के वरिष्ठ नेता विजया राजे सिंधिया और आंध्रप्रदेश के पूर्व राज्यपाल भीम सेन सच्चर की गिरफ्तारी का हवाला देकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यों को लेकर कांग्रेस पर तंज कस दिया है।

बीजेपी सांसद दुबे ने कांग्रेस से सवाल किया कि आप किस संविधान का हवाला दे रहे हैं, जब 1975 में बीजेपी की संस्थापक सदस्य और ग्वालियर राजघराने की महारानी राजमाता सिंधिया को गिरफ्तार किया था। उनके घर पर आयकर विभाग के छापे पड़े थे। सांसद दुबे ने कहा कि उन्हें और गायत्री देवी को तिहाड़ जेल की उस कोठरी में बंद किया गया था, जहां शौचालय की सुविधा तक नहीं थी और आप आज महिला सशक्तिकरण की दम भर रहे हैं।

बीजेपी सांसद ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के पीछे विदेशी ताकत का होने का आरोप लगाकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा देने की मांग पूरी की। सांसद ने कहा कि आज आप वांगचुक की बात कर रहे हैं। लद्दाख में लोग मारे गए। वांगचुक पहले केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मांगते थे।

सांसद ने कहा लेकिन वांगचुक अब एक विदेशी ताकत के शामिल होने के बाद, वे राज्य का दर्जा मांग रहे हैं। कांग्रेस ने बीते 30 सालों में कुछ नहीं किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने आपको केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दे दिया।

बीजेपी सांसद ने स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल सच्चर की गिरफ्तारी का जिक्र कर कहा कि पुलिस ने उन्हें जमीन पर घसीटकर गिरफ्तार किया था। और आप लोकतंत्र की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए।

बीजेपी सांसद दुबे ने पोस्ट में लिखा कि इंदिरा गांधी ने ग्वालियर की महारानी और भाजपा की संस्थापक राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी को तिहाड़ जेल में मृत्युदंड की कोठरी में बंद करवाया था, जहाँ शौचालय की भी सुविधा नहीं थी। उन्होंने लिखा कि हैरानी की बात है कि सिर्फ एक पत्र लिखने के लिए, स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल भीम सेन सच्चर साहब को 82 साल की उम्र में पुलिस यातनाओं के साथ जेल भेजा गया था। आज यही कांग्रेस लद्दाख हिंसा के बाद गिरफ्तार लोगों के लिए मगरमच्छ के आँसू बहा रही है।

बीजेपी सांसद की यह टिप्पणी तब आई है, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने वांगचुक की गिरफ्तारी का विरोध किया है और केंद्र से लद्दाख के लोगों से उनकी राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की माँग पर बातचीत करने का अनुरोध किया है।

अभिनेता संजय दत्त पर भड़की कांग्रेस कहा- नायक नहीं... नालायक है तू...

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता संजय दत्त ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस की जमकर तारीफ कर दी। उनका एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वे संघ के सौ साल पूरे होने पर उसकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया और देश की सबसे पुरानी पार्टी ने संजय दत्त को नालायक तक कह दिया। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने संजय दत्त पर बेहद कड़ा प्रहार करते हुए कहा, नायक नहीं, खलनायक है तू। अपने पिता का नालायक है तू। बता दें कि संजय दत्त के पिता सुनील दत्त कांग्रेस के दिग्गज नेता हुआ करते थे। वह सांसद भी रहे। वहीं, उनकी बहन प्रिया दत्त भी कांग्रेस से जुड़ी हैं। संजय दत्त ने दोनों की विचारधारा के विपरीत जाकर संघ की प्रशंसा की है। सुरेंद्र राजपूत के बयान पर अब तक संजय दत्त की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। संजय दत्त ने 2 अक्टूबर के दिन अपने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने कहा था, संघ हमेशा देश के साथ खड़ा रहा है, खासकर संकट और मुश्किल समय में। इस बयान के बाद से ही सोशल मीडिया पर विवाद और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। बता दें कि संजय दत्त पहले कई विवादों में घिरे थे। 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट केस में उन्हें गैरकानूनी हथियार रखने के आरोप में टाडा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था। बाद में वे टाडा के आरोपों से बरी हुए, लेकिन आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाए गए और उन्हें जेल की सजा भी काटनी पड़ी थी।

सावधान महाराष्ट्र! आज से लेकर 7 तक कभी भी दस्तक दे सकता है चक्रवात शक्ति

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई इलाकों के लिए संकट खड़ा कर सकता है चक्रवात शक्ति। आज यानी शनिवार से लेकर 7 अक्टूबर तक कभी ये तूफान दस्तक दे सकता है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग आदि जिलों में इसका असर दिखाई देगा। यहां 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है।

आईएमडी के मुताबिक, समुद्री स्थिति खराब होने के कारण उत्तरी महाराष्ट्र तट पर 5 अक्टूबर तक समुद्र की सतह पर बदलाव देखने को मिलेगा। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। महाराष्ट्र के आंतरिक हिस्सों जैसे पूर्वी विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। साथ ही, उत्तरी कोंकण के निचले इलाकों में घने काले बादल छाए रहेंगे। इस दौरान वातावरण में नमी की घुसपैठ के कारण भारी बारिश होगी और बाढ़ की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, यह चेतावनी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए है। 4 से 5 अक्टूबर के बीच उत्तरी महाराष्ट्र तट पर हवा की गति 45-55 किमी प्रति घंटा और झोंके के साथ 65 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है। चक्रवात की तीव्रता के आधार पर हवा की गति बढ़ सकती है। हालातों को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने चक्रवात शक्ति की चेतावनी को देखते हुए कुछ निर्देश जारी किए हैं। जिला प्रशासनों को अपने आपदा प्रबंधन सिस्टम सक्रिय करने, तटीय और निचले इलाकों में नागरिकों के लिए निकासी योजनाएं तैयार करने, पब्लिक एडवाइजरी जारी करने और समुद्री यात्रा से बचने की सलाह शामिल है। इसके अलावा, भारी बारिश के दौरान सुरक्षा उपाय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

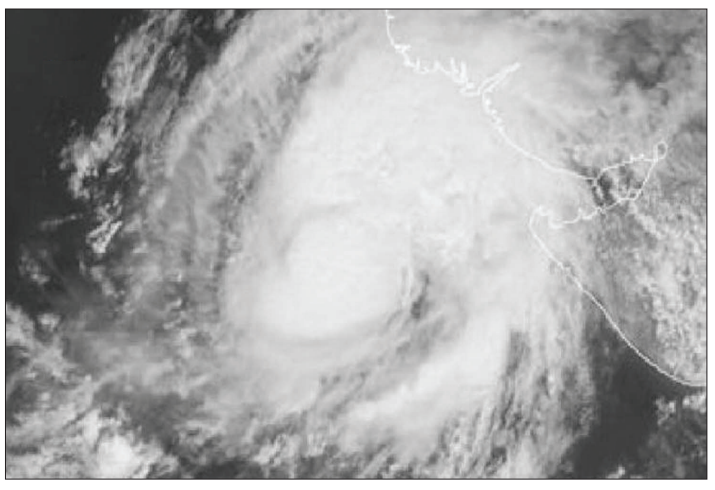

करूर भगदड़ के बाद हाईकोर्ट का आदेश: हाईवे पर नहीं होगी रैली और रोड शो

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के करुर की रैली में मची भगदड़ के बाद मद्रास हाईकोर्ट ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि हाईवे राजनैतिक रैलियां और रोड शो के लिए नहीं है। इस पर तत्काल रोक लगाएं। अदालत ने यह आदेश 4 जनहित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान पारित किया गया। इनमें अभिनेता से नेता बने विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) की रैली के दौरान भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी तैयार करने के निर्देश मांगे गए थे। यह पाबंदी तब तक लागू रहेगी जब तक ऐसे आयोजनों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार नहीं हो जाती।

राज्य सरकार ने अदालत को आश्वासन दिया कि जब तक एसओपी तैयार नहीं हो जाती, तब तक राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्धारित स्थानों को छोड़कर किसी भी सभा की इजाजत नहीं दी जाएगी। जज सेंथिलकुमार ने तमिलनाडु पुलिस की हाल ही में विजय के कैंपेन बस से संबंधित दुर्घटना को लेकर कड़ी आलोचना की। उन्होंने पूछा कि क्या कोई मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, केस दर्ज करने से क्या रोकता है? भले ही कोई शिकायत न दी जाए, पुलिस को स्वयं मामला दर्ज करना चाहिए।

जमानत याचिका खारिज, एसआईटी गठित

हाई कोर्ट ने टीवीके के दो सीनियर पदाधिकारियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। ये याचिकाएं 27 सितंबर को करूर में पार्टी की रैली में हुई भगदड़ के सिलसिले में दायर की गई थीं। अदालत ने टीवीके के प्रदेश महासचिव बुस्सी एन आनंद और उप महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार की याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिन्हें घटना के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी में नामजद किया गया है।मद्रास उच्च न्यायालय ने भारतीय पुलिस सेवा के सीनियर अधिकारी असरा गर्ग के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया, जो 27 सितंबर को प्रदेश के करूर में विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच करेगा।

रेलवे भर्ती संकट: मौतों और बेरोज़गारी की बढ़ती चुनौती, एनसीबीआर के आंकडे कर रहे पुष्टि

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय रेलवे न केवल एशिया का सबसे बड़ा नियोक्ता है बल्कि करोड़ों युवाओं के लिए रोज़गार का प्रमुख स्रोत भी है। हर साल लाखों युवा इसकी नौकरी पाने का सपना देखते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में रेलवे भर्ती प्रक्रिया में लेट-लतीफी ने युवाओं के विश्वास को झकझोर कर रख दिया है और वहीं दूसरी तरफ मौतों की संख्या बढ़ा दी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीबीआर) के आंकड़े इस गंभीर स्थिति की पुष्टि करते नजर आ रहे हैं।

रेलवे में नौकरी पाने के लिए हर साल ग्रुप-डी से लेकर तकनीकी और क्लर्क पोस्ट तक हज़ारों-लाखों आवेदन युवा करते हैं। हालांकि, कई बार विज्ञापन निकलने के बावजूद परीक्षाएं स्थगित कर दी जाती हैं या रिज़ल्ट समय पर जारी नहीं होते हैं। कभी-कभी नियुक्ति पत्र मिलने में सालों लग जाते हैं। इस लगातार लंबित प्रक्रिया ने बेरोज़गार युवाओं को निराशा की गहरी खाई में धकेलने का काम किया है। एनसीबीआर के आंकड़ों से पता चलता है कि रेलवे से जुड़ी मौतों में लगातार इज़ाफ़ा हुआ है। इनमें आत्महत्या, दुर्घटनाएं और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में होने वाली मौतें शामिल हैं। विशेषकर युवाओं का बड़ा हिस्सा उन उम्मीदों के टूटने की वजह से ट्रैक या अन्य स्थानों पर अपनी जान गंवा रहा है। कई राज्यों में युवाओं ने स्पष्ट रूप से लिखा है, कि रेलवे भर्ती न होने के कारण जीवन बेकार हो गया। आरोप है कि सरकार की संवेदनहीनता इस संकट को और गंभीर बना रही है। बार-बार स्थगित परीक्षाओं और अधूरी भर्ती प्रक्रिया ने युवा आंदोलनों और धरनों को जन्म दिया। 2022 में देशभर में आरआरबीएनजाम और रेलवे रिक्रूटमेंट जैसे हैशटैग के माध्यम से लाखों उम्मीदवारों ने अपनी नाराज़गी जताई। कई जगह पुलिस कार्रवाई भी हुई, लेकिन समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकला।

विशेषज्ञों का कहना है कि रेलवे भर्ती प्रक्रिया को तुरंत पारदर्शी और समयबद्ध बनाना होगा। इसके साथ ही बेरोज़गार युवाओं के लिए वैकल्पिक रोज़गार, स्किल डेवलपमेंट और कैरियर गाइडेंस प्रोग्राम को मज़बूत किया जाना आवश्यक है। युवाओं के प्रति सरकार का संवेदनशील रवैया ही इस संकट का स्थायी समाधान साबित हो सकता है। रेलवे भर्ती केवल नौकरी का अवसर नहीं है, बल्कि लाखों युवाओं के सपनों की डोर है। जब यह डोर टूटती है तो न केवल परिवार बिखरते हैं बल्कि देश का भविष्य भी संकट में पड़ता है। एनसीबीआर के आंकड़े चेतावनी हैं कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो बेरोज़गारी और आत्महत्याओं का यह सिलसिला और तेज़ हो जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

75 लाख डॉलर में बिकी फ्रांसिस की कलाकृति

लंदन , एजेंसी। गोवा के मशहूर चित्रकार फ्रांसिस न्यूटन सूजा की कलाकृति 'हाउसेज इन हैम्पस्टेड' ने कला जगत में नीलामी का नया रिकार्ड बनाया है। लंदन में सोथबी की नीलामी में यह कलाकृति 75 लाख डॉलर से अधिक राशि में बिकी, जो इसकी निर्धारित कीमत से लगभग सात गुना अधिक है। इस दौरान, विभिन्न कलाकृतियों की बिक्री से कुल 2.55 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल हुई।

आयरलैंड : भारतीय दूतावास ने धूमधाम से मनाई गांधी जयंती

डबलिन, एजेंसी। आयरलैंड की राजधानी डबलिन स्थित भारतीय दूतावास में बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी की 156वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्र ने कहा कि भारतीय समाज में फैलती बहुआयामी असहिष्णुता और बढ़ते विद्वेषपूर्ण राजनीतिक ध्रुवीकरण को शांत करने के लिए गांधी जी के तीन अराजनीतिक विचार अत्यन्त प्रासंगिक हैं। विरोधियों और आलोचकों के साथ सम्मानजनक संवाद : गांधी को जनता की बेहद सराहना मिलती थी क्योंकि उन्होंने आलोचकों के साथ बातचीत और बहस में हमेशा उचित सम्मान और शिष्टता का परिचय दिया। महात्मा गांधी ने साहसपूर्वक कहा था, महिला को कमजोर कहना अपमान है। यह पुरुष द्वारा महिला के प्रति अन्याय है। इसके साथ ही गांधी जी ने देश ?को आत्म-विश्वास का भी मंत्र दिया।

ट्रंप बोले- कैरिबियन ड्रग कार्टेल गैरकानूनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैरिबियाई क्षेत्र में सक्रिय ड्रग कार्टेल को अवैध लड़ाके घोषित किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका अब गैर-अंतरराष्ट्रीय सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। अमेरिकी रक्षा विभाग- पेंटागन ने इस फैसले के बारे में कांग्रेस को सूचित भी कर दिया है। बता दें कि पिछले महीने अमेरिकी सेना ने कैरिबियाई समुद्र में तीन घातक हमले किए थे, जिनमें दो नावें वेनेजुएला से आई थीं। यह कदम ड्रग तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप प्रशासन का यह निर्णय क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीएम स्टार्मर ने यहूदी धर्मस्थल पर हमले की निंदा की

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने मैनचेस्टर के एक सिनेगॉग (धर्मस्थल) पर यहूदियों को निशाना बनाकर किए गए हमले की निंदा की और इसे घृणित बताया। इस हमले में एक व्यक्ति ने कार से लोगों को कुचलने और चाकू से हमला करने की वारदात को अंजाम दिया। हिंसा में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हुए। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यहूदी समुदाय की सुरक्षा बढ़ाने का वादा किया और कहा, ब्रिटेन एक ऐसा देश है जहां सभी सुरक्षित और सम्मानित महसूस करेंगे। उन्होंने होलोकॉस्ट का उल्लेख करते हुए यहूदियों को ब्रिटेन में शरण पाने की ऐतिहासिक भूमिका को भी याद किया।

इस्राइली नौसेना ने गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रही फ्लोटिला को रोका ; कई कार्यकर्ता गिरफ्तार

गाजा, एजेंसी। इस्राइली नौसेना ने भूमध्य सागर में गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे 450 अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इनमें यूरोपीय सांसद भी शामिल हैं। यह ग्लोबल सुमूद फ्लोटिला के माध्यम से फलस्तीनी लोगों की मदद करने आ रहे थे। बीते दो साल में अब तक के सबसे बड़े प्रयास के तौर पर उभरे इस फ्लोटिला को प्रतीकात्मक मानवीय सहायता और इस्राइल की मुखालफत के तौर पर भी देखा जा रहा है। इस्राइल ने इसे रोकने के बाद अशदोद बंदरगाह पर 600 पुलिसकर्मियों को तैनात कर कार्यकर्ताओं की पहचान और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की। यह कार्रवाई यहूदी धर्म के सबसे पवित्र दिन योम किप्पुर पर हुई। इस घटना के बाद दुनिया भर में विरोध प्रदर्शन भी हुए। इटली की सबसे बड़ी यूनियन ने हड़ताल का आह्वान किया। पेरिस और बार्सिलोना में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें भी हुईं। कार्यकर्ताओं ने फ्लोटिला को गाजा की नाकाबंदी और नरसंहार के खिलाफ वैश्विक चेतना जगाने का प्रयास बताया।

पाक ने ट्रंप का शांति प्रस्ताव ठुकराया कहा- ये मसौदा हमारा नहीं है इसे बदला गया है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान कब किसके साथ गद्दारी कर दे कोई नहीं जानता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान की सेना प्रमुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस बुलाकर साथ में डिनर किया और गलबहियां डालकर फोटो सेशन कराया। इसके बाद आवभगत से गदगद मुनीर ने ट्रंप के लिए नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। अब इसी पाकिस्तान ने राष्ट्रपति ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने देश को औपचारिक रूप से इससे अलग करते हुए कहा है कि यह दस्तावेज हमारा नहीं है और इसमें हमारे मूल मसौदे में बदलाव किए गए हैं। डार का यह बयान संसद में आया, जिससे पाकिस्तान इस प्रस्ताव से आधिकारिक रूप से दूरी बनाने वाला पहला बड़ा देश बन गया है। आपको बता दें कि इस प्रस्ताव को हमास ने मंजूर कर लिया है। डार ने कहा कि अमेरिका द्वारा घोषित यह शांति योजना उस मसौदे से अलग है जो मुस्लिम देशों ने संयुक्त रूप से तैयार किया था। उन्होंने कहा, यह हमारा ड्राफ्ट नहीं है। इसमें जो संशोधन किए गए हैं, वे हमारी सहमति से नहीं हुए।

सूत्रों के अनुसार, इस सख्त रुख के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की मंजूरी है। सेना नहीं चाहती कि इस योजना को किसी भी रूप में अमेरिकी या इजराइली हितों को मान्यता देने वाला समझा जाए। रिपोर्ट में खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा है कि यह बयान पाकिस्तान सरकार की फेस-सेविंग एक्सरसाइज का हिस्सा है ताकि जनता के बीच यह संदेश जाए कि इस्लामाबाद ने अमेरिकी दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया है। इस रुख से पाकिस्तान यह भी संदेश देना चाहता है कि वह मुस्लिम देशों की एकजुटता से अलग नहीं हो रहा और न ही मुस्लिम मकसद को बेच रहा है। सूत्रों का कहना है कि हालांकि सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान इस प्रस्ताव को खारिज कर रहा है, परंतु पर्दे के पीछे वह अमेरिका और अरब के साथ कूटनीतिक संवाद जारी रखेगा। जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान का यह कदम घरेलू राजनीतिक और धार्मिक दबाव को ध्यान में रखकर उठाया गया है। पाकिस्तान के भीतर मौजूद कट्टरपंथी और प्रोपैलेस्टाइन लॉबी किसी भी ऐसी योजना का विरोध कर रहे हैं जिसमें हमास के निरस्त्रीकरण या इजरायल की आंशिक मान्यता जैसी बातें शामिल हों।

अमेरिका ने लगाया दाढ़ी पर प्रतिबंध, कई सैनिकों, मुस्लिमों और यहूदियों के लिए संकट

वाशिंगटन। अमेरिका ने नई ग्रूमिंग नीति के तहत दाढी रखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे धर्म के आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की नौकरी भी खतरे में आ गई है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ द्वारा जारी हालिया मेमो के तहत सैन्य दाढ़ी रखने की छूट को लगभग समाप्त कर दिया गया है, जिससे धार्मिक आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की सेवा पर संकट मंडरा रहा है। यह नीति 2010 से पहले की मानकों पर लौटने का आदेश देती है, जिसमें दाढ़ी की छूट की सामान्यत : अनुमत नहीं होगी। हालांकि इससे पहले 2017 में भी कुछ तरह के निर्देश दिए गए थे, बाद में सिख सैनिकों के लिए दाढ़ी और पगड़ी की स्थायी छूट को औपचारिक रूप दिया था। इसी तरह, मुस्लिम, ऑर्थोडॉक्स यहूदी और नॉर्स पगान सैनिकों को धार्मिक आधार पर छूट मिली हुई थी। जुलाई 2025 में सेना ने चेहरे के बालों की नीति को अपडेट किया था, लेकिन धार्मिक छूट को सुरक्षित रखा था। हालांकि, नई नीति इन प्रगतिशील बदलावों को उलट रही है, जो 1981 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले गोल्डमैन बनाम वेनबर्गर से प्रेरित सख्त ग्रूमिंग नियमों पर लौट रही है। यह नीति केवल सिखों तक सीमित नहीं है। मुस्लिम सैनिकों के लिए दाढ़ी धार्मिक दायित्व है, जबकि ऑर्थोडॉक्स यहूदियों के लिए पायोट और दाढ़ी पवित्र हैं। काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) ने हेगसेथ को पत्र लिखकर स्पष्टता की मांग की है- क्या मुस्लिम, सिख और यहूदी सैनिकों की धार्मिक स्वतंत्रता संरक्षित रहेगी? सीएआईआर ने प्रथम संशोधन का हवाला देते हुए कहा कि लंबे समय से पेंटागन की नीतियां इन अधिकारों को मान्यता देती रही हैं ।काले सैनिकों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि छद्म फॉलिकुलाइटिस बार्बे (रेजर बंप्स) के कारण चिकित्सकीय छूट अब स्थायी नहीं रहेगी। इंटरसेप्ट के अनुसार, यह नीति नस्ल और धर्म पर आधारित बहिष्कार को बढ़ावा देती है। नॉर्स पगान सैनिकों ने भी इसे अपनी मान्यताओं के खिलाफ बताया है। इस मामले में सिख कोअलिशन, जो अमेरिकी सैन्य में सिखों के अधिकारों के लिए प्रमुख वकालत संगठन है, उसने हेगसेथ की टिप्पणियों पर क्रोधित और गहरी चिंता व्यक्त की है।

ब्रिटेन में यहूदी प्रार्थना स्थल के बाहर आतंकी हमला:2 की मौत, 3 घायल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में गुरुवार को एक यहूदी प्रार्थना स्थल (सिनागॉग) के बाहर आतंकी हमला हुआ। इसमें दो यहूदियों की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रम्प्सल इलाके में कई यहूदी योम किप्पुर त्योहार पर प्रार्थना के लिए इकट्ठा हुए थे। इसी दौरान हमलावर ने उन पर कार चढ़ा दी और फिर गोलीबारी करने लगा।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमलावर का एनकाउंटर कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई। योम किप्पुर के दिन यहूदी अपने पिछले गलत कामों के लिए माफी मांगते हैं और प्रार्थना करते हैं।

ब्रिटिश पीएम इमरजेंसी कोबरा टीम के साथ बैठक करेंगे : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हमले को बेहद डरावना बताया और पुलिस की तारीफ की। स्टार्मर डेनमार्क से जल्दी लौट रहे हैं ताकि ब्रिटेन की इमरजेंसी कोबरा टीम के साथ बैठक कर सकें। उन्होंने एक्स पर लिखा- यह हमला योम किप्पुर जैसे पवित्र दिन पर हुआ, जो इसे और भी भयानक बनाता है। मेरी संवेदनाएं घायलों के परिवारों के साथ हैं। मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम ने कहा कि हमलावर की मौत हो गई है। पुलिस भी इसकी पुष्टि कर चुकी है। मेयर बर्नहैम ने लोगों से हमले वाले इलाके में न जाने की अपील की है।

हमले को आतंकवादी घटना घोषित किया गया : ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने इसे आतंकवादी घटना घोषित किया है। काउंटर-टेररिज्म टीम मामले की जांच कर रही है। हमलावर की पहचान हो चुकी है, लेकिन नाम सार्वजनिक नहीं किया गया। दो अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पूरे देश में यहूदी समुदायों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ब्रिटिश किंग चार्ल्स ने कहा कि यह घटना हमें गहरा सदमा पहुंचा रही है, खासकर यहूदियों के इस खास दिन पर। वहीं, यहूदी संगठन कम्युनिटी सिक्योरिटी ट्रस्ट ने कहा कि यह हमला ब्रिटेन में बढ़ते यहूदी-विरोधी माहौल का हिस्सा लगता है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, भक्ति और उत्सव का दिखा माहौल

ढाका, एजेंसी। नवरात्र का पर्व भारत में हर्षोल्लास के साथ विजयदशमी के दिन पूरा हुआ। पड़ोसी मुल्क- बांग्लादेश में भी पांच दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने पूरे देश में देवी की मूर्तियों को नदियों में विसर्जित किया। ढाका में हजारों लोग बुरीगंगा नदी पर एकत्र हुए और मंत्रोच्चार व पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ देवी को विदाई दी। इस वर्ष 33,355 पूजा मंडप स्थापित किए गए, जिनमें से 258 ढाका में थे। अंतरिम सरकार ने पूजा के लिए 5 करोड़ टका का अनुदान दिया।

हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने सुरक्षा में सहयोग के लिए सेना का आभार जताया, हालांकि 64 जिलों में से 14 में कुछ बाधाओं की खबरें भी सामने आईं। परिषद ने अंतरिम प्रमुख प्रो. मुहम्मद यूनुस की उस टिप्पणी की निंदा की जिसमें उन्होंने हिंदुओं पर अत्याचार की खबरों को फर्जी बताया। बता दें कि हालिया दिनों में भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा है, और भारत ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में विस्फोट, 4 पुलिसकर्मियों सहित 9 लोग घायल : पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर शहर में गुरुवार को एक पुलिस वैन को निशाना बनाकर बम धमाके हुए। इसमें कम से कम नौ लोग घायल हो गए। घायलों में चार पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। घटना बाना मारा क्षेत्र में हुई, जहां वैन सड़क किनारे लगाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से टकरा गई। एक पुलिसकर्मी की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस प्रमुख डॉ. मियां सईद ने बताया कि जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि विस्फोट रिमोट-कंट्रोल डिवाइस से हुआ या आईईडी से। घटनास्थल से सबूत जुटाए जा रहे हैं।

बवाल के बाद घुटने पर शरीफ सरकार, बातचीत के लिए भेजा आठ सदस्यीय दल; दस लोगों की हो चुकी है मौत

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में बीते कई दिनों से चल रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते हालात बेकाबू और बेहद तनावपूर्ण बने हुए है। इन प्रदर्शनों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई से अब तक कम से कम दस लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। ऐसे में हिंसा के दिन-प्रतिदिन बढ़ते स्वरूप के मद्देनजर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ हरकत में आते हुए नजर आ रहे है। इसके तहत उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक उच्चस्तरीय वार्ताकार समिति को पीओजेके भेजा है।

बता दें कि प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तरफ से भेजी गई आठ सदस्यीय समिति में केंद्रीय मंत्री अहसन इकबाल, आमिर मुकाम,

सरदार मोहम्मद यूसुफ, राणा सनाउल्ला, डॉ. तारिक फजल चौधरी, पीपीपी के नेता राजा परवेज अशरफ, क़मर जमां कैरा पूर्व पीओजेके राष्ट्रपति सरदार मसूद खान और इनके साथ पीओजेके के प्रधानमंत्री चौधरी अनवरुल हक भी शामिल है। यह समिति जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) के प्रतिनिधियों से वार्ता कर रही है, जो वहां के जन आंदोलन का नेतृत्व कर रही है। वार्ता गुरुवार को मुख्य सचिव कार्यालय के कमेटी रूम में शुरू हुई और देर रात तक चली। शुक्रवार को भी बातचीत जारी रहने की उम्मीद है। क्या है लोगो की मांग, पहले ये समझिए अब पीओजेके के लोगों की मांग की बात करे तो जेकेजेएएसी के नेता शौकत नवाज मीर ने बताया कि पीओजेके के लोगों की प्रमुख मांगों में 12 रिफ्यूजी सीटों को खत्म करना, वीआईपी और एलीट वर्ग को मिलने वाली विशेष सुविधाएं बंद करना, जून 2019 के हाईकोर्ट के फैसले को लागू करना, हेल्थ कार्ड योजना लागू करना शामिल है। इसके अलावा, आंदोलनकारियों की मांग है कि मुजफ्फाराबाद, धिरकोट और अन्य इलाकों में मारे गए निर्दोष प्रदर्शनकारियों की हत्या के दोषियों को गिरफ्तार कर सजा दी जाए। अब जानें कब और कैसे शुरू हुआ प्रदर्शन? गौरतलब है कि प्रदर्शन पीओजेके में लगातार बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और बुनियादी सुविधाओं की कमी के खिलाफ शुरू हुआ।

आंदोलन ने उस समय उग्र रूप ले लिया जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें कई लोग मारे गए। गुरुवार को भी क्षेत्र में पूरी तरह शटर डाउन और व्हील-जाम हड़ताल रही। सोमवार से संचार सेवाएं भी ठप हैं। हालांकि गुरुवार को किसी नए हिंसक घटना की खबर नहीं आई।

नोबेल की जुगाड़ में लगे ट्रंप के दूसरे नेता ले रहे हैं मजे, उड़ा दी खिल्ली

मास्को, एजेंसी। नोबेल पुरस्कार की कोशिश में जुटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिसलती जुबान चर्चा का विषय बन गई है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान अल्बेनिया, आर्मेनिया और फ्रांस के नेताओं को ट्रंप के बयान को मजाकिया अंदाज में दोहराते हुए देखा गया। खास बात है कि ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि उन्होंने 7 युद्ध रुकवाने में सफलता हासिल की है।

कोपेनहेगन में जुटे यूरोपीय नेताओं की बातचीत में ट्रंप का भी जिक्र आया। मीडिया रिपोर्ट्स के अुसार, अल्बेनिया के प्रधानमंत्री ईदी रामा ने मजाकिया अंदाज में फ्रांस के राष्ट्रपति इमेनुएल मैक्रों और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव से कहा, आपको माफी मांगने चाहिए... क्योंकि आपने हमें राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से कराई गई अल्बेनिया और अजरबैजान की डील पर शुभकामनाएं नहीं दी। यह सुनते ही एक ओर जहां अलियेव हंसने लगे। वहीं, मैक्रों ने कहा, मैं इस बात के लिए माफी मांगता हूं। दरअसल, ट्रंप ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच शांति समझौता कराया था। दोनों देशों के बीच अगस्त में वाइट हाउस में ही डील साइन हुई थी। अब ट्रंप कई मौकों पर आर्मेनिया की जगह अल्बेनिया कह चुके हैं। बीते महीने एक टीवी चैनल पर उन्होंने कहा था, मैं ऐसे युद्ध खत्म कराए हैं, जिन्हें खत्म करना नामुमकिन था। अजरबैजान और अल्बेनिया में कई सालों से चल रहा था। मैं प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों को अपने दफ्तर लेकर आया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी ट्रंप ने कहा था, हमने अबर-बैजान और अल्बानिया के मुद्दे का समाधान कराया। अब यहां उन्होंने एक देश का नाम ही गलत लिया और दूसरे देश का नाम ठीक से नहीं ले पाए। भारत और पाकिस्तान के भी कर रहे हैं दावे ट्रंप ने 10 मई को जब सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वॉशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गए हैं, तब से उन्होंने लगभग 50 बार यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव घटाने में मदद की है। भारत ने हालांकि, किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। उसने लगातार कहा कि पाकिस्तान के साथ शत्रुता समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी।

नई दिल्ली में, विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने इस बैठक का संज्ञान लिया है। भारत ने यह भी कहा कि आतंकवाद जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान के साथ उसकी बातचीत में किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी की कोई गुंजाइश नहीं है, क्योंकि उसका मानना ??है कि ये द्विपक्षीय ही रहनी चाहिए।

अब मोरक्को में जेन जी का गुस्सा भड़का:कहा- हॉस्पिटल नहीं और वर्ल्ड कप पर 10 अरब डॉलर फूंक रहे

रबात, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को में स्वास्थ्य और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर भड़का जेन जी आंदोलन हिंसक हो गया। राजधानी रबात में प्रदर्शनकारियों ने बैंक फूंक दी। कई दुकानों-गाड़ियों में तोड़फोड़ की। आगादिर शहर में पुलिस की गोली से 3 युवाओं की मौत हो गई। वहीं एक हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। 354 लोग घायल हुए हैं, जिनमें अधिकतर सुरक्षाकर्मी हैं। मंत्रालय के मुताबिक, लगभग 70% प्रदर्शनकारी नाबालिग थे। मोरक्को की सरकार 2030 फीफा वर्ल्ड कप और अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए 10 अरब डॉलर (करीब 8.8 लाख करोड़ रुपए) खर्च कर रही है। जबकि देश में सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं की भारी कमी है। मोरक्कों में भी प्रदर्शनकारियों का कोई नेता नहीं सीएनएन के मुताबिक युवाओं के नेतृत्व वाले इस विरोध आंदोलन को जेन जी 212 कहा जा रहा है। 212 मोरक्को के इंटरनेशनल टेलीफोन डायलिंग कोड है। विदेश से मोरक्को में किसी को कॉल करने पर नंबर के पहले +212 लगाते हैं। नेपाल की तरह भी मोरक्को में भी विरोध प्रदर्शन करने वाले युवाओं का कोई लीडर नहीं है। लोग सोशल मीडिया के जरिए से रैली कर रहे हैं। मोरक्को में बेरोजगारी दर 12.8% है, जिसमें युवा बेरोज़गारी 35.8% और स्नातकों में 19% तक पहुंच गई है। मोरक्को में 1430 लोगों पर एक डॉक्टर है, जो दुनिया के औसत (590) से ढाई गुना कम है। आगादिर के हसन-2 हॉस्पिटल में 8 महिलाओं मौत हो गई। इसे 'डेथ हॉस्पिटल' कहा जा रहा है। डिस्कॉर्ड-टिकटॉक ऐप से आंदोलन यह आंदोलन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे टिकटॉक और डिस्कॉर्ड पर शुरू हुआ था। पिछले रविवार को प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी के बाद इसे और समर्थन मिलने लगा। गिरफ्तार हुए लोगों में मोरक्को के स्टार गोलकीपर यासीन बौनू और प्रसिद्ध रैपर एल ग्रांडे टोटो भी शामिल हैं। इसके बाद बुधवार को हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए। राजधानी रबात, मुख्य वाणिज्यिक शहर कैसाब्लांका और बंदरगाह शहर टैंजियर में भी विरोध प्रदर्शन हुए। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पर्यटन केंद्र माराकेश में भी हिंसा हुई और प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस स्टेशन को आग लगा दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रशीद अल खल्फी ने बताया कि अशांति के बाद पूरे मोरक्को में 409 लोगों को हिरासत में लिया गया।

यूक्रेन के सैन्य ठिकानों और गैस साइट्स पर रूस ने जमकर की गोलाबारी, मिसाइलें भी दागीं

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन की जंग बीते साढ़े 3 साल से जारी है। शांति के प्रयास नाकाम रहे हैं,जिसे जैसा मौका मिलता है वैसा हमला कर देता है। बीती रात रूस ने यूक्रेन के कई सैन्य ठिकानों, गैस साइट्स पर गोलाबारी की और कहीं कहीं भी मिसाइलें दागी। कुल मिलाकर दोनों देश एक-दूसरे की सैन्य ठिकानों या ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर अपने दुश्मन को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को रूसी सेना ने कई यूक्रेनी सैन्य ठिकानों और गैस संरचनाओं को निशाना बनाया।

वहीं, यूक्रेनी की तरफ से भी इस हमले की पुष्टि की गई है। यूक्रेन की सरकारी ऊर्जा कंपनी नैफ्टोगैज ने इस हमले को देश के गैस संरचनाओं पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बताया। कंपनी की तरफ से कहा गया कि रूस की तरफ से किए गए हमलों में उसे काफी गंभीर नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रातभर कई प्लेटफार्म्स से मिसाइलें और लंबी दूरी के ड्रोन यूक्रेन के ऊपर दागे गए। इन ड्रोन्स और मिसाइल ने बखूबी अपने लक्ष्यों को भेदा और अपना मिशन सफल बनाया। इस हमले को लेकर यूक्रेनी वायुसेना की तरफ से बताया गया कि इसें रूस 810 ड्रोन्स के अलावा चार बैलिस्टिक मिसाइलें और नौ क्रूज मिसाइलें दागीं थीं। यूक्रेनी सेना के मुताबिक यह हमला जुलाई में किए गए हमले से भी काफी भयानक था। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस की तरफ से किए गए इस हमले को कायरता पूर्ण करार दिया था। उन्होंने कहा, ऐसी हत्याएं अब हो रही हैं, जबकि वास्तविक कूटनीति बहुत पहले शुरू हो सकती थी, यह एक जानबूझकर किया गया अपराध है और युद्ध को लम्बा खींचने जैसा है। जेलेंस्की ने कहा, दुनिया क्रेमलिन के अपराधियों को हत्याएं बंद करवा सकती है, हमें बस राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है।

7 सितंबर को भी रूस ने दागी थी मिसाइलें

रूस की तरफ से लगातार यूक्रेन पर इसी तरीके से हमले किए जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 7 सितंबर को रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव के ऊपर ड्रोन्स और मिसाइलों के जरिए हमला बोला था। इस हमले की वजह से कीव में कुल 11 घंटों तक सायरन बजता रहा था। इस हमले के दौरान रूस ने करीब 800 से ज्यादा ड्रोन तैनात किए थे,

जिनमें से ज्यादातर एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराए थे लेकिन इसके बाद भी कई आवासीय भवनों और सरकारी इमारतों से जाकर फटे थे। इनकी वजह से राजधानी कीव में दो लोगों की मौत हो गई थी, इसमें एक बच्चा भी शामिल था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिवाली से पहले तीन फैक्ट्रियों से 10 हजार किलो नकली घी बरामद

सूरत में दानेदार घी बनाने के लिए चार प्रकार के कैमिकल और कलर का इस्तेमाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दिवाली से पहले ही सूरत के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली घी बनाने वाली तीन फैक्ट्रियों का पर्दाफाश किया है। अमरौली और कोसाड क्षेत्र में स्थित इन तीन अलग-अलग डुप्लीकेट घी बनाने वाली फैक्ट्री और उनके गोदामों पर स्ह्व की टीम ने छापे मारे। इस कार्रवाई में 1.5 करोड़ रुपये का माल जब्त किया गया और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वर्तमान में इस मामले में अमरौली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। यह कारखाना पिछले दो वर्षों से चल रहा था।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि इस मिलावटी घी की बिक्री सिर्फ गुजरात में नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के बाजारों में भी की जाती थी। घी को दानेदार और खुशबूदार बनाने के लिए कैमिकल और कलर का भारी इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस के अनुसार, इस घी के सेवन से कैंसर होने की पूरी संभावना है।

SOG के PI अतुल सोनार ने बताया कि इस नकली घी में दूध जैसी कोई भी चीज़ नहीं थी। आरोपी केवल आर्थिक

लाभ के लिए लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे थे। यह नकली घी मुख्यतः वनस्पति तेलों, जैसे पामोलिन तेल और कोरम नामक कैमिकल के मिश्रण से बनती थी। लोगों को यह घी गाय या भैंस के असली घी जैसा लगता था, इसके लिए आरोपी विशेष प्रकार के कैमिकल का इस्तेमाल करते थे, जो असली घी जैसी खुशबू देता था। घी को असली देशी घी जैसा पीला रंग देने के लिए इसमें कलर मिलाया जाता था। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दानेदार घी असली देशी घी की पहचान है। नकली घी को भी असली घी जैसा दानेदार बनाने के लिए आरोपी स्स नामक कैमिकल का इस्तेमाल करते थे। इस कैमिकल और कलर के उपयोग से बनने वाला घी इतना खतरनाक था कि PI अतुल सोनार ने कैंसर की

रेड की गई फैक्ट्री और गोदाम

श्री माधव डेरी प्रोडक्ट: ब्लॉक नंबर 84, सरदारनगर, कोसाड, अमरौली - फैक्ट्री; और प्रमख हाइट्स, कोसाड - गोदाम
न्यू आदिनाथ डेरी प्रोडक्ट: प्लॉट नंबर 28,प्रगति इकोपार्क ईस्ट, भरथाणा - फैक्ट्री; और वेदांत टेक्सो, कोसाडगाम - गोदाम
शेड नंबर 01/A(2), बिल्डिंग-सी, ईवा एम्ब्रो पार्क-02, कोसाड गांव: फैक्ट्री और पीछे के ग्राउंड फ्लोर पर गोदाम

संभावना जताई है। डॉक्टरों की राय लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

आरोपी रिद्धम, मौली प्रीमियम देशी घी, श्री मौली प्रीमियम शुद्ध देशी घी और शाश्वत प्रीमियम घी जैसे नामों से इस मिलावटी घी की बिक्री करते थे। SOG इस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है, क्योंकि मेहेसूरिया के भाई के खिलाफ बनासकांठा में 17 लाख रुपये के नकली घी का मामला पहले ही दर्ज है, जिससे पता चलता है कि यह पूरी चैनल बहुत लंबी है।

SOG ने रेड के दौरान मिलावटी डुप्लीकेट घी 9,919 किलोग्राम बरामद किया, जिसकी कीमत लगभग 67,00,550 रुपये है। इसके अलावा, घी बनाने की मशीनरी और कच्चा माल मिला, जिसकी कुल कीमत लगभग 53,55,950 रुपये है। कुल जब्त माल की कीमत 1,20,56,500 रुपये है।

पुलिस ने जब फैक्ट्रियों का निरीक्षण किया, तो वहां अत्याधुनिक ऑटोमेटिक मशीनें देख कर हैरानी हुई। ये मशीनें इस तरह सेट की गई थीं कि एक बार ऑपरेट करने पर सीधे पैक्ड घी बाहर आता था। दिवाली से पहले की मांग को पूरा करने के लिए तीनों फैक्ट्रियों में 24 घंटे उत्पादन जारी था। प्रत्येक फैक्ट्री में 10-15 कर्मचारी शिफ्ट में काम कर रहे थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह एक सुनियोजित और बड़े पैमाने पर चलने वाला नेटवर्क था।

आरोपियों को एक किलोग्राम नकली घी बनाने में 100 रुपये से भी कम लागत आती थी। यह घी बाजार में 680 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव में बेची जाती थी। अधिक मुनाफा कमाने के लिए घी के डब्बों पर MRP 800-1000 रुपये तक छापते थे, जिससे ग्राहकों को लगता कि उन्हें डिस्काउंट में शुद्ध घी मिल रहा है। यह नकली घी 100 ग्राम के पाउच से लेकर 15 किलो तक के बड़े टिन में बेची जाती थी।

आरोपियों का बिक्री नेटवर्क सिर्फ दक्षिण गुजरात तक सीमित नहीं था, बल्कि महाराष्ट्र के नंदुरबार तक फैला हुआ था। नकली घी के मुख्य ग्राहक सूरत के स्ट्रीट फूड विक्रेता, कैटरिंग सर्विस, छोटी होटल और खाने-पीने की गाड़ियां चलाने वाले लोग थे। इस नेटवर्क को वे पिछले 2 वर्षों से चला रहे थे। विश्वास बनाने के लिए उन्होंने सेल्समैन भी रखा था, जिन्हें अलग-अलग ब्रांड नाम जैसे रिद्धम और मौली दिए गए थे।

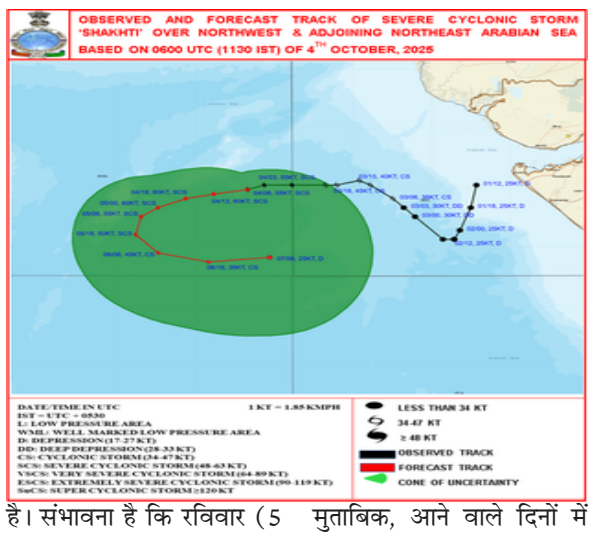

अरब सागर में विकराल रूप ले रहा 'शक्ति' चक्रवात गुजरात की ओर कब मुड़ेगा? महाराष्ट्र में भी अलर्ट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अरब सागर में विकराल रूप ले चुका 'शक्ति' चक्रवात इस समय गुजरात के द्वारका से 510 किलोमीटर दूर है, ऐसा भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने बताया है। यह पिछले 6 घंटों से 13 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-दक्षिणपश्चिम दिशा में बढ़ रहा है। वर्तमान में यह चक्रवात गुजरात के द्वारका से लगभग 420 किलोमीटर पश्चिम और पाकिस्तान के कराची से 290 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम में केंद्रित है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 'शक्ति' चक्रवात सोमवार (6 अक्टूबर) की सुबह से गुजरात की ओर यू-टर्न ले सकता है। इसके चलते 10 अक्टूबर तक गुजरात और महाराष्ट्र में तेज हवाएं और भारी बारिश होने की संभावना है, जिसके लिए अलर्ट जारी किया गया है।

चक्रवात अभी उत्तर-पश्चिम की ओर 13 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा

है। संभावना है कि रविवार (5 अक्टूबर) तक यह पश्चिम-दक्षिण पश्चिम की ओर मध्य अरब सागर की तरफ बढ़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 'शक्ति' चक्रवात का असर 8 और 9 अक्टूबर को सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में देखने को मिलेगा।

8 अक्टूबर: जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, सूरत, नवसारी, वलसाड

9 अक्टूबर: वलसाड

इन जिलों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट घोषित किया गया है।

महाराष्ट्र में भी अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दिनों में चक्रवात का असर महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों सहित कई जगहों पर देखने को मिलेगा। यहां तेज हवाएं और बारिश होने की संभावना है।

4 अक्टूबर को पूर्व विदर्भ और मराठवाड़ा जैसे आंतरिक जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

*उत्तरी कोंकण के निचले इलाकों में पानी भरने और बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है।

*इसके अलावा ओडिशा के ऊपर बने एक और कम दबाव वाले क्षेत्र के प्रभाव से मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है।

BRTS बस में पर्स चोरी करने वाला गिरोह CCTV में कैद

यात्री बनकर पेसेंजर की जेब खाली करने वाले आरोपी, सर्विलांस टीम ने CCTV की मदद से पकड़े

उधना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिए 3 आरोपी, 14,500 रुपये नकद बरामद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की BRTS बस में यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाकर पर्स चोरी करने वाले सक्रिय गिरोह को उधना पुलिस ने दबोच लिया है। यह चोरी की घटना CCTV फुटेज में कैद हो गई थी, जिसकी मदद से पुलिस आरोपियों तक पहुंच सकी। पुलिस ने पकड़े गए 3 आरोपियों से 14,500 रुपये नकद बरामद

पकड़े गए आरोपियों का आपराधिक इतिहास

उधना पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों में शामिल हैं -
* यश उर्फ काला अजयभाई राजपूत (उम्र 26, पेशा - बेरोजगार)
* मोहसिन उर्फ माया रिजवान शेख (उम्र 24, पेशा - दिहाड़ी मजदूर)
* जिग्नेश उर्फ जिगो उर्फ लंगड़ा दीपकभाई पटेल (उम्र 18 साल 2 महीने, पेशा - बेरोजगार)

किए हैं।

यह घटना 25 सितंबर, 2025 को शाम करीब 7 बजे खरवरनगर BRTS बस स्टेशन के पास हुई थी। शिकायतकर्ता यात्री ने जब अपना पर्स देखा तो वह गायब था। इस पर्स में 32,000 रुपये नकद के अलावा आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, एटीएम कार्ड और क्लब का मेंबरशिप कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। अज्ञात व्यक्ति ने भीड़ का फायदा उठाकर इस चोरी को अंजाम दिया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर CCTV फुटेज की जांच की, जिसमें चोरी और आरोपियों की गतिविधियां कैद थीं। उसी आधार पर जानकारी मिलते ही सर्विलांस टीम ने सफलतापूर्वक तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनसे 14,500 रुपये नकद जब्त किए हैं।

मुख्य आरोपी यश उर्फ काला अजयभाई राजपूत का लंबा आपराधिक इतिहास है। खटोदरा, अठवालाइन्स, सलाबतपुरा, उधना और रेलवे पुलिस स्टेशनों में उस पर चोरी (धारा 379), मारपीट, हमला (धारा 307) और प्रोहिबिशन एक्ट सहित करीब 15 मामले दर्ज हैं। आरोपी मोहसिन उर्फ माया रिजवान शेख के खिलाफ भी मारपीट के मामले दर्ज हैं।

एक बच्चे के लिए बुज़ुर्ग महिला ने तीन शहरों में तीन दिन भटकते हुए किया अपहरण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया, जिसमें वलसाड़ के लीलापोर गांव की 50 वर्षीय विधवा महिला ने एक बच्चे को पाने की तीव्र इच्छा के चलते तीन दिन तक विभिन्न शहरों में भटकती रही। अंततः उसने सूरत के लालगेट इलाके की फुटपाथ पर मां की गैर-मौजूदगी में सो रहे 4 साल के बच्चे का अपहरण किया और ट्रेन के जरिए वलसाड़ भाग गई।

महिला, सुरेखाबेन, ने 26/09/2025 से 28/09/2025 तक अकेले और छोटे बच्चे की तलाश की। सुरेखाबेन पहले वडोदरा और हालोल-पावागढ़ गई, जहां भी उसने अपहरण के प्रयास किए लेकिन सफल नहीं हुई। 28/09/2025 को शाम 5:00 बजे उनकी नजर लालगेट इलाके की इंडिया बेकरी के पास फुटपाथ पर सो रहे 4 साल के बच्चे पर पड़ी।

बच्चे की मां, साहिस्ता अकबर सहादत शेख (उम्र 20), कपड़े खरीदने मार्केट गई थीं। शाम 6:00 बजे जब मां लौटीं, बच्चा वहां नहीं था। सुरेखाबेन ने मौके का फायदा उठाकर बच्चे का अपहरण किया और सूरत रेलवे स्टेशन से ट्रेन के जरिए अपने गांव वलसाड़ चली गई।

लालगेट पुलिस स्टेशन में अपहरण का मामला दर्ज होते ही, सूरत क्राइम ब्रांच ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। क्राइम ब्रांच के डीसीपी भावेश रोजियाने बताया कि

7 अधिकारियों और 50 से अधिक कर्मियों की टीम बनाई गई। टीम ने घटना स्थल से लेकर मुंबई और वडोदरा तक 800 से 1000 CCTV फुटेज की जांच की। फुटेज में अपहरणकर्ता महिला को बच्चे को अलग-अलग रेलवे स्टेशनों पर ले जाते हुए देखा गया।

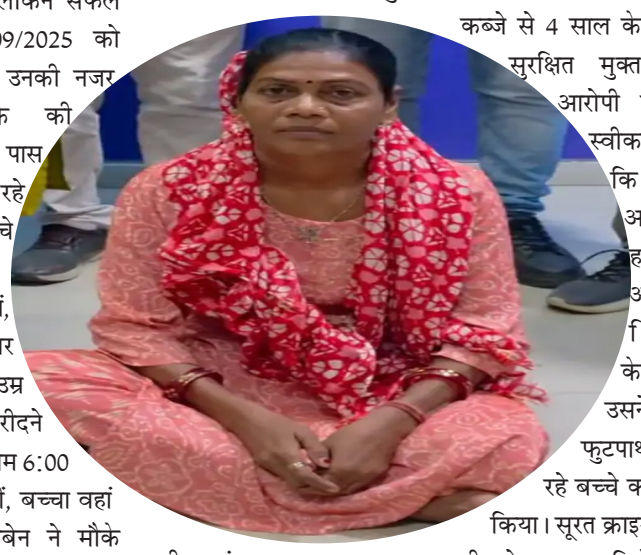

ह्यूमन इंटेलिजेंस और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर नवसारी, अमलसाड, बीलीमोरा, डूंगरी, वलसाड़, वापी, मुंबई तथा भरूच और वडोदरा में सर्च ऑपरेशन किया गया। CCTV और सर्विलांस के आधार पर अपहरणकर्ता महिला की पहचान वलसाड़ जिले के लीलापोर गांव की सुरेखा संजय नायका (उम्र 50) के रूप में हुई। क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली कि महिला बच्चे को लेकर आसाम भागने वाली थी।

पुलिस ने समय की सटीकता का उपयोग करते हुए सुरेखाबेन नायका को लीलापोर गांव से गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 4 साल के बच्चे को सुरक्षित मुक्त कराया।

आरोपी महिला ने स्वीकार किया कि वडोदरा और हालोल में असफलता मिलने के बाद उसने सूरत में फुटपाथ पर सो रहे बच्चे का अपहरण किया। सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने मात्र कुछ दिनों में 1000 CCTV कैमरे चेक करके इस चकचारी अपराध का रहस्य उजागर किया।

9 बच्चों की मौत के बाद एमपी में 'Coldrif' पर प्रतिबंध

राजस्थान-एमपी की घटना के बाद गुजरात में कफ सिरप की जांच के आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजस्थान में कफ सिरप पीने से हुई बच्चों की मौत का असर अब गुजरात तक पहुंच गया है। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने राज्य में कफ सिरप की बिक्री को लेकर तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है और केंद्र की गाइडलाइन तथा राजस्थान की रिपोर्ट का अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं। इस आदेश का उद्देश्य गुजरात में बिकने वाले कफ सिरप की गुणवत्ता और सुरक्षा की जांच करना है।

केंद्रीय मंत्री ऋषिकेश पटेल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को तुरंत कदम उठाने के लिए कहा है। उन्होंने विशेष रूप से केंद्र सरकार की गाइडलाइन और राजस्थान से आई रिपोर्ट्स का पूरी तरह अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं। इस अध्ययन के आधार पर गुजरात में बिकने वाले कफ सिरप की गुणवत्ता और उसकी बिक्री पर सघन जांच की जाएगी।

गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने राज्य में कफ सिरप की बिक्री को लेकर तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है और केंद्र की गाइडलाइन व राजस्थान की रिपोर्ट का अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं। इस आदेश का उद्देश्य गुजरात में बिक रहे कफ सिरप की गुणवत्ता और सुरक्षा की जांच करना है।

ऑफिस में काम करने वाली युवती से दुष्कर्म और अप्राकृतिक कृत्य करने वाले वकील की गिरफ्तारी

जंबुसर के पास नौकरी करती थी, इसलिए नज़दीक नौकरी के लिए वकील के संपर्क में आई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा के सुबानपुरा इलाके में ऑफिस रखने वाले एक वकील ने कुछ समय पहले ही वहां नौकरी पर रखी गई युवती से दुष्कर्म किया और धमकी दी। युवती ने परिवारजनों को इसकी जानकारी देने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

पुलिस के मुताबिक, गोरवा इलाके में रहने वाली और नर्सिंग सीखी हुई युवती जंबुसर बॉर्डर के पास एक गांव में नौकरी करती थी। लंबा अप-डाउन होने से परेशान होकर उसने एक परिचित से बात की। इसी दौरान उसका संपर्क सुबानपुरा निवासी वकील कृणाल परमार से हुआ। चूंकि आरोपी की ऑफिस में काम करने वाली एक महिला नौकरी छोड़ चुकी थी, इसलिए फरवरी महीने

में युवती को नौकरी पर रख लिया गया। आरोपी ने जुलाई के पहले सप्ताह में पीड़िता से बलात्कार और अप्राकृतिक कृत्य किया। उसने इस दौरान फोटो भी खींच लिए और इन्हें एक दोस्त को भेज दिया। जब दोस्त ने पीड़िता को इसकी जानकारी दी तो वह चौंक गई। इस बीच आरोपी लगातार धमकी दे रहा था, जिसके चलते पीड़िता ने माता-पिता को सब कुछ बताया और शिकायत दर्ज कराने के लिए तैयार हुई।

एसीपी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के सबूत इकट्ठा करने के लिए गोरवा के पीआई कार्रवाई कर रहे हैं। सुबानपुरा निवासी वकील कृणाल परमार को गिरफ्तार कर मेडिकल टेस्ट कराया गया है। वहीं आरोपी के मोबाइल और ऑफिस सर्वर का डेटा भी एकत्रित किया जा रहा है, जिसे सरोवर फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेजा जाएगा।